MPHIN/2021/83938

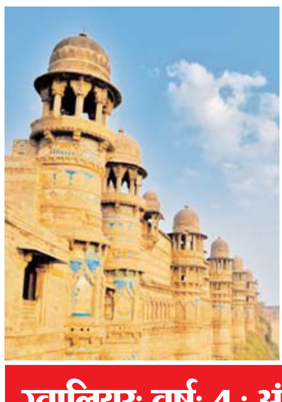

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 33 | ग्वालियर,10 दिसम्बर, रविवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

हमेशा बेहतर की तलाश करें, तीन राज्यों में सीएम पद पर सस्पेंस के बीच अमित शाह ने किया पोस्ट

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार (9 दिसंबर) को अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह अपनी पोतियों के साथ दिख रहे हैं और शतरंज खेलते हुए नजर आ रहे हैं. शाह ने कैप्शन में जो लिखा, उसके राजनीतिक मायने समझे जा रहे हैं. दरअसल, गृह मंत्री ने पोस्ट में लिखा, गृह मंत्री की यह पोस्ट ऐसे समय आई है जब बीजेपी राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए मुख्यमंत्री चुनने के लिए विचार-विमर्श कर रही है. हालांकि, पार्टी ने तीनों राज्यों के लिए अपने केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में विधायक दल की बैठक रविवार (10 दिसंबर) को होगी, जबकि राजस्थान और मध्य प्रदेश में बैठकें सोमवार (11 दिसंबर) को होंगी.

सीएम तय करने के लिए बीजेपी में चला है मुलाकातों और बैठकों का दौर–इससे पहले तीनों राज्यों के सीएम पद को लेकर सस्पेंस के बीच केंद्रीय नेतृत्व के साथ कई नेताओं की मुलाकात का दौर चला है. जिनमें राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, तिजारा से जीते बीजेपी के

नवनिर्वाचित विधायक बाबा बालकनाथ, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आदि शामिल हैं. वहीं, तीनों राज्यों के लिए मुख्यमंत्री तय करने के लिए पार्टी ने भी कई उच्च स्तरीय बैठकें की हैं, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेता शामिल हुए.

इससे पहले चुनाव नतीजों को लेकर पीएम मोदी ने कहा था, लोग बीजेपी के शासन, निर्णय लेने और पारदर्शिता को पसंद करते हैं... यह बड़ी बात है कि एक सरकार के तौर पर हमारे अंदर सकारात्मकता है. हमारी पार्टी में सत्ता विरोधी लहर नहीं है. इस चुनाव में जीत हमारी सामूहिक शक्ति की जीत हैज नतीजों ने कांग्रेस की आकांक्षाओं को क्यों दिया है झटका?बता दें कि हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में पांच राज्यों में से तीन में बीजेपी ने जीत दर्ज की है. मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पार्टी को मिले मजबूत जनादेश ने न केवल राजनीतिक विरोधियों को हैरानी में डाल दिया, बल्कि कुछ सर्वेक्षणकर्ताओं की ओर से की गई करीबी मुकाबले की भविष्यवाणियों को भी खारिज कर दिया.

जयपुर–मुंबई ट्रेन गोलीकांड के आरोपी की पत्नी बोलीं– सांप्रदायिक एंगल के आरोप गलत

जयपुर-मुंबई ट्रेन गोलीकांड के आरोपी रेलवे सुरक्षा बल के बर्खास्त कांस्टेबल चेतन सिंह चौधरी की पत्नी ने शनिवार (9 दिसंबर) को कहा कि मामले को सांप्रदायिक पहलू से नहीं जोड़ा जाना चाहिए. उन्होंने दावा किया कि मामले में सांप्रदायिक एंगल के आरोप गलत हैं.आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है. आरोप है कि चेतन सिंह चौधरी ने इसी साल 31 जुलाई की सुबह जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में अपनी सर्विस राइफल से चार लोगों की हत्या कर दी थी.शनिवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोपी की पत्नी प्रियंका ने कहा कि उनका पति पिछले दो साल से मानसिक रूप से बीमार था. इसस पहले शुक्रवार (8 दिसंबर) को पुलिस ने आरोपी की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए मुंबई में एक अदालत को बताया था कि ऐसा लगता है कि उसके मन में एक विशेष समुदाय के प्रति क्रोध और द्वेष है और उसने अपराध के लिए कोई पछतावा नहीं दिखाया.**आरोपी की पत्नी ने क्या कहा**–आरोपी की पत्नी ने कहा, सांप्रदायिक एंगल से जुड़े आरोप गलत हैं.उन्होंने कहा, अतीत में हिंदुओं के खिलाफ हुई घटनाओं से उनके मन में डर थाआरोपी की पत्नी यह भी दावा किया कि चौधरी की एमआरआई रिपोर्ट में उसके मस्तिष्क में खून का थक्का जमा आया है. अब आरोपी की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 16 दिसंबर को होगी.**क्या है पूरा मामला**–आरोपी चेतन सिंह चौधरी ने 31 जुलाई की सुबह जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में कथित तौर पर अपनी सर्विस राइफल से चार लोगों की हत्या कर दी थी. वारदात को चलती ट्रेन में अंजाम दिया गया था. उस समय चेतन सिंह ड्यूटी पर तैनात था.ट्रेन महाराष्ट्र के पालघर स्टेशन से जैसे ही आगे बढ़ी थी, तभी आरोपी ने अपने सीनियर एएसआई टीकाराम मीणा समेत पालघर के नालासोपारा के रहने वाले अब्दुल कादरभाई मोहम्मद हुसैन भानपुरवाला, बिहार के मधुबनी के असगर अब्बास शेख और एक शख्स सैयद पर फायरिंग कर दी थी, जिससे उनकी मौत हो गई.

नोट गिनते थकी मशीन... सांसद धीरज साहू से कांग्रेस ने झाड़ा पल्ला, रेड को लेकर अब तक की बड़ी बातें

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठकिानों पर बुधवार (6 दसिंबर) को इनकम टैक्स अधकिारयिों ने छापेमारी की थी. खासकर ओडिशा और झारखंड में की गई इस छापेमारी में आईटी वभिाग ने 300 करोड़ रुपए की भारी भरकम नकदी बरामदगी का दावा कयिा था. 4 दनि पहले मारी गई रेड के बाद साहू से जुड़े परसिरों में शनविार (9 दसिंबर) को भी नोटों की गनिती जारी रही. अधिकारियों ने कहा कि अभी नोटों की गिनती खत्म नहीं हुई है. परिसर में मलिी अलमारियों के रैक में रखी नकदी की लगातार जारी गनिती के चलते रकम बढ़कर 300 करोड़ हो गई है. उनका कहना है कि यह किसी भी एजेंसी की तरफ से एक ही ऑपरेशन

में काला धन की अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी होगी.

क्यों नहीं गिना जा सका पूरा कैश–एचटी की रपिोर्ट के मुताबकि, नोटों की गनिती जारी रहने के मामले को लेकर एसबीआई के रीजनिल मैनेजर ने बताया कि बैंक खुले होने की वजह से कैश काउंटगिं के लिए पूरे स्टॉफ को नहीं लगाया गया. कांग्रेस पार्टी ने झाड़ा पल्लाउधर, सांसद के परसिरों से बरामद इतनी भारी भरकम रकम को लेकर कांग्रेस बचाव मुद्रा में आ गई है. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने साफ कर दयिा है कि उनके ठकिानों से इतनी बड़ी रकम की बरामदगी आईटी को कैसे हो रही है, इसका जवाब वो ही देंगे. कांग्रेस पार्टी का उनके बजिनेस से कोई लेना देना नहीं है. इस मामले पर बीजेपी पूरी तरह से कांग्रेस पर हमलावर हो गई है.

जनपद पंचायत की जांच टीम को लेकर ग्राम पंचायत देवपुर माफी वं टोंगा के सरपंच पुत्र और रावत समाज के लोगों में हुआ झगड़ा,दोनों पक्षों ने लिखाई रिपोर्ट।

सबलगढ ग्राम पंचायत टोंगा में जनपद पंचायत के इंजीनियर और वरिष्ठ अधिकारियों ने पंचायत द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों की निगरानी एवं समीक्षा के लिए गए थे। इसी दौरान एक ओर सरपंच ममता महावीर शर्मा के पुत्र अश्विनी शर्मा और चेतन शर्मा एवं दूसरी तरफ वीरेंद्र रावत,मनोज रावत,राम भजन रावत और कमलेश रावत मैं पंचायत के कार्य को लेकर कहां सुनी हो गई। जिसमें दोनों पक्षों ने एक दूसरे की मारपीट कर दी। जिससे दोनों पक्षों ने थाने में रिपोर्ट लिखाई है।बुधवार को दोपहर बाद थाने पर पहुंचकर एक दूसरे ने बताया कि काली माता मंदिर के पास जब वरिष्ठ अधिकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच कर रही थे तभी वीरेंद्र रावत ने सरपंच पुत्रों से कहा कि कुछ कार्य हमारे अधूरे पड़े हैं उन्हें पूरा करा दो इतने पर अश्विनी शर्मा और चेतन शर्मा ने गाली दे रहे थे।जब वीरेंद्र रावत पुत्र परीक्षित रावत ने गाली देने से मना किया ,इस पर दोनों लड़कों ने वीरेंद्र रावत की मारपीट कर दी मारपीट में गंभीर चोटे आई हैं। वीरेंद्र रावत अपनी चोटों का इलाज कराने के लिए पहले सिविल हॉस्पिटल सबलगढ़ गए। उसके बाद उन्होंने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।ग्राम पंचायत टोंगा की सरपंच ममता महावीर शर्मा के पुत्र अश्विनी शर्मा और चेतन शर्मा ने 10÷30 बजे ही जब वरिष्ठ अधिकारी निर्माण कार्यों को देख रहे थे तभी दोनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मनोज रावत,वीरेंद्र रावत,राम भजन रावत और कमलेश रावत ने उनसे गाली दी और कहा कि तुझको सरपंची ऐसे ही नहीं करने देंगे।चुनावी रंजिश का हवाला देते हुए चारों ने दोनों लड़कों की मारपीट कर दी ।दोनों लड़कों को भी गंभीर चोटे आई हैं।दोनों ने पहले अपना इलाज सिविल हॉस्पिटल सबलगढ़ में कराया उसके बाद थाने में चारों लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों पर क्रॉस अपराध दर्ज करते हुए धारा 323, 294,506 और 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।वीरेंद्र रावत की रिपोर्ट पर अश्वनी शर्मा और चेतन शर्मा को आरोपी बनाते हुए रिपोर्ट दर्ज की गई है। वही अश्विनी शर्मा और चेतन शर्मा की रिपोर्ट पर मनोज रावत वीरेंद्र रावत राम भजन रावत और कमलेश रावत को आरोपी बनाते हुए समान धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।दोनों ही पक्ष थाने में देर शाम तक डटे रहे हैं। जानकारी में आया है कि पूर्व सरपंच द्वारा कराए गए कार्य का भुगतान वर्तमान सरपंच द्वारा कर लिया गया है।जबकि कुछ कार्य अभी ही अधूरे पड़े हैं। जिसकी शिकायत ग्रामीण जनों के द्वारा की गई है। जिस? शिकायत की जांच करने जनपद पंचायत सबलगढ़ से टीम आई थी।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की निर्मम हत्या के विरोध में बन्द रहा सबलगढ़

समस्त समाजों ने अपने प्रतिष्ठान बंद करके जताया विरोध और जल्द मांगे पूरी करने का आह्वान किया पुलिस रही चाक चौबंद

राष्टीय राजपूत करणी सेना के राष्टीय अध्यक्ष सुखदेवसिंह गोगामेढ़ी की गोली मारकर निर्मम हत्या होने के विरोध में सबलग? के लोगों में आक्रोश नजर आया। इस हत्याकांड को लेकर सर्व समाज द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया, और शहर की समस्त व्यापारीयो ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें, साथ में शहर के समस्त स्कूल कॉलेज कोचिंग बंद रहा के सर्व समाज द्वारा सबलग? के मुख्य बाजार होते हुए एमएस रोड, बस स्टैंड होते हुए संतरे नम्बर 1,2,3,4,5, होते हुए सबलग? हॉस्पिटल तक निकली रैली निकालकर घटना पर विरोध जताया गया एवं हत्यारो की तुरंत गिरफ्तारी कर फांसी की मांग की गई। करणी सेना के सदस्यों ने कहा कि पुलिस को पता था फिर भी सुरक्षा नहीं दी गई। अगर अगले 3 दिन में शेष आरोपियों की गिरफ़्तारी नहीं होती, और इन अपराधियों के पीछे जिन भी बड़ी गैंग का हाथ है उनकी हद्ध के द्वारा जांच नहीं होती है तो सरकार के ख़िलाफ़ बड़े

स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदार सरकार खुद होगीज्ञात हो जेएनयू में जब नारे लगे थे के ÷बनिया ब्राह्मण भारत छोड़ो÷ तो सर्वप्रथम श्री राष्टीय राजपूत करणी के राष्टीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी जी के द्वारा ही की गई थी उन्होंने खुले मंच से कहा था कि आपको बनिया ब्राह्मण को हाथ लगाने से पहले क्षत्रिय की तलवार से होकर गुजरना पड़ेगा और इसके बाद गोगामेडी जी की पहचान संपूर्ण भारत में एक हिंदुत्व वादी शेर के रूप में की जाने लगी थी, इसलिए उनके निर्मल हत्या पर समस्त समाजों में बेहद रोस है आंदोलनकारी में बढ़ते रोस को ध्यान में रखते हुए जो 11 सूत्रीय मांग थी उनको लिखित में मान लिया गया, इसलिए श्री राष्टीय राजपूत करणी सेना द्वारा समूर्ण नगर के कारोबारी दुकानदार एवं स्कूल संचालक बंधुओ का आभार व्यक्त करते बंद को स्थगित करने का ऐलान किया, संपूर्ण बंद शांतिपूर्ण एवं अनुशासित रहा जिसकी प्रशंसा संपूर्ण नगर वासियों ने की

आपके हर सुख दुख में हमेशा साथ रहूंगी क्षेत्र में अमन चैन कायम रखूंगीःसरला रावत

सबलगढ़==सबलगढ़ विधानसभा में अमन चैन कायम रखना मेरा सबसे पहला कर्तव्य है स्वर्णकार समाज के हर सुख दुख में हमेशा आपके साथ रहूंगी आज गुरु कृपा गार्डन में स्वर्णकार समाज द्वारा नव निर्वाचित विधायक सरला रावत का स्वागत सम्मान समारोह आयोजित किया अपने स्वागत समारोह में नव निर्वाचित विधायक सरला रावत ने स्वर्णकार समाज को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा और मेरे परिवार का स्वर्णकार समाज से आत्मीय संबंध है आपने मुझे जो समर्थन औरआशीर्वाद प्रदान किया है उसकेलिए में आपका आभारी हूं स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष विष्णु सोनी ने नव निर्वाचित विधायक सरला रावत को कार्डिगन शॉल श्रीफल चांदी के नारियल से स्वागत किया कार्यक्रम को रमेश बर्मा एडवोकेट भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रमोद जादौन जिला पंचायत सदस्य रामदयाल रावत भाजपा नेता अखिलेश जादौन ने भी संबोधित किया इस अवसर परभाजपा नेता ओमप्रकाश गुप्ता गिरीश शर्मा सरबन लाल गुप्ता ने भी संबोधित किया स्वागत समारोह में श्रीराम सोनी बाबूलाल वर्मा गोपाल सोनी पत्रकार सुनील वर्मा दर्शन सोनी कमल सोनी पंकज सोनी मोहन वर्मा विजय सोनी शिवेंद्र सोनी श्यामू सोनी रामू सोनी संतोष सोनी संजय सोनी बच्चू सोनी प्रदीप वर्मा लोकेंद्र सोनी हरिओम सोनी लाला परशोत्तम सोनीदर्शन वर्मा रवि वर्मा गिर्राज वर्मा आदि सेकडो स्वर्णकार समाज के व्यक्ति उपस्थिति रहे

आप सरकार में सबसे ज्यादा विभागों वाली मंत्री बनीं आतिशी, कैलाश गहलोत से कानून विभाग वापस लिया गया

दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत से शुक्रवार को कानून एवं न्याय विभाग वापस ले लिया गया. कानून विभाग का प्रभार आतिशी को सौंपा गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. इसके एक दिन पहले उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शहर में न्यायिक बुनियादी ढांचे और प्रशासन से संबंधित फाइल मंगाई थीं, क्योंकि ये फाइल कई महीनों से कैलाश गहलोत के पास लंबित थीं.

उपराज्यपाल ने दी मंजूरी–अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने उपराज्यपाल कार्यालय को पत्र लिखकर आतिशी को कानून विभाग का प्रभार सौंपने की सिफारिश की है और इसे उपराज्यपाल विनय सक्सेना की मंजूरी मिल गई है. आम आदमी पार्टी सरकार ने इस पर आधिकारिक तौर पर प्रतिक्रिया नहीं दी है.

अब सबसे ज्यादा विभाग आतिशी के पास–इस बदलाव के साथ आतिशी के पास मौजूद विभागों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है, जो केजरीवाल सरकार के मंत्रियों में सबसे ज्यादा है. इससे पहले अक्टूबर में उन्हें जल विभाग का प्रभार सौंपा गया था. जून में, आतिशी को राजस्व, योजना और वित्त विभागों का प्रभार दिया गया था. ये विभाग पहले कैलाश गहलोत के पास थे.

कैलाश गहलोत के हिस्से में क्या बचा–कैलाश गहलोत के पास अब परिवहन, गृह, प्रशासनिक सुधार और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का प्रभार है. उपराज्यपाल सक्सेना ने बृहस्पतिवार को शहर में अदालतों, न्यायिक बुनियादी ढांचे, त्वरित न्याय और न्याय प्रशासन प्रणाली से संबंधित उन सभी फाइल को वापस मंगाया था, जिन्हें कानून मंत्री ने निपटाने में कथित तौर पर देरी की.राजनिवास के अधिकारियों ने बताया था कि उपराज्यपाल ने निर्देश दिया है कि दिल्ली के कानून मंत्री के पास छह महीने तक लंबित रही ऐसी सभी फाइल तीन दिनों के भीतर उन्हें सौंपी जाएं. चार दिसंबर को प्रधान सचिव (विधि और न्याय) की एक रिपोर्ट में 18 ऐसी फाइल उपराज्यपाल सचिवालय के संज्ञान में लाई गईं, जो लंबित थीं.

पाती राम पटवा को पत्नी शोक

सबलगढ़ राजनीतिक क्षेत्र में 35 वर्षों से सांगठनिक धुरंधर माने जाने वाले पाती राम पटवाड़ की पत्नी इमरती देवी उम्र 72 वर्ष ग्राम मांगरोल का लंबी बीमारी से निधन हो गया है। इमरती देवी को मुखाग्नि उनके पुत्र के द्वारा दी गई ।वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गई हैं। भाजपा कार्यकर्ता में शोक की लहर फैल गई है। ईश्वर का यह धन्यवाद मान सरकार चुनाव के बाद हुई है।

जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण मुरैना के पुन : अध्यक्ष बने मधुराज तोमर।

मुरैना ! मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय कमलनाथ जी के आशीर्वाद से मधुराज तोमर को पुनः जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण मुरैना के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। मधुराज तोमर को किन्ही झूठी अफवाओं के चलते मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण मुरैना के अध्यक्ष के पद से पद मुक्त कर दिया था। लेकिन मधुराज तोमर सालों पुराने कांग्रेस के साफ, स्वच्छ छवि वाले सच्चे सिपाही है। मधुराज तोमर की कांग्रेस पार्टी के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी को देखते हुए पुनः जिला अध्यक्ष मुरैना के पद पर नियुक्त किया है। उनके पुनः अध्यक्ष बनने पर मुरैना प्रभारी बालेन्दु शुक्ला, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शहर दीपक शर्मा, मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर, जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, अंबाह विधायक देवेन्द्र सखवार, मुरैना महापौर शारदा सोलंकी, मुरैना सभापति राधारमण डंडोतिया, पूर्व विधायक बैजनाथ कुशवाह, पूर्व विधायक राकेश मावई, पूर्व विधायक अजब सिंह कुशवाह, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवान सिंह तोमर, संगठन मंत्री ग्रामीण सुभाष सिंह सिकरवार, संगठन मंत्री शहर सत्यपाल सिंह कुशवाह, पूर्व प्रदेश महासचिव सोबरन सिंह गुर्जा,प्रदेश महासचिव रामलखन डंडोतिया, प्रदेश महासचिव रिंकू मावई, प्रदेश महासचिव जसवीर गुर्जर, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह डंगस, अशोक भदौरिया, अशोक सिकरवार, मानवेन्द्र गांधी, प्रदेश महासचिव सौरभ सोलंकी, प्रदेश सचिव कौशल पंडित, महिला अध्यक्ष शहर नजमा बेगम, महिला अध्यक्ष ग्रामीण संजू शर्मा, कार्यकारी जिला अध्यक्ष लोकेन्द्र यादव, कार्यकारी अध्यक्ष शहर विनोद शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष ग्रामीण सुनील शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष शहर गजेन्द्र सिंधी, कार्यकारी अध्यक्ष शहर कुलदीप यादव, कार्यकारी अध्यक्ष आदिराम जाटव, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र यादव, संजय यादव, ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र जादौन, बल्ली सोनी, जयराम सिंह कुशवाह, उदयराज सिंह जादौन, रमेश शाक्य, लक्ष्मीनारायण दुवे, विनोद दुवे, मनोज सिंह सिकरवार, राजकुमार कुशवाह, भरत पचौरी, भागचंद यादव, डरू सिंह सिकरवार, दलवीर सिंह तोमर, उमाचरण कटारे, श्रीचन्द उपाध्याय, गजेन्द्र मावई, पूरन यादव, विक्रमराज मुदगल, अब्दुल रज्जाक पटेल, शोभा शिवहरे, महेश मावई, युवक कांग्रेस अध्यक्ष रवि उपाध्याय, एन.एस.यू.आई अध्यक्ष हर्ष कंसाना, सेवादल अध्यक्ष सुधीर मावई, प्रदीप रजक, पूर्व जनपद अध्यक्ष रामू तोमर, सुरेश जाटव पोरसा, एड. मनीष शर्मा, जितेंद्र तोमर, लक्ष्मी सोलंकी, किशन पंडित, सौरव डंडोतिया, हेमंत तोमर, गौरव बाथम, पवन यादव, कार्यालय मंत्री रामू टुंडेलकर, रवि बंसल सबलगढ़, आदि सहित मुरैना जिले के समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बधाई प्रेषित की है।

हिमांशी खुराना

के बाद अब आसिम रियाज ने लगाई ब्रेकअप पर मुहर, बोले- हमें पूरा हक है...

बिग बॉस 13 फेम कपल आसिम रियाज और हिमांशी खुराना 4 साल के रिलेशनशिप के बाद अलग हो गए हैं. हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर खुद इस बात की जानकारी दी थी. वहीं आज उन्होंने अपने और आसिम की चैट का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए भी अपने ब्रेकअप की असल वजह बताई थी. अब आसिम ने इसे कन्फर्म किया है और फैंस से उनकी प्राइवेसी को बनाए रखने की रिक्वेस्ट की है.आसिम रियाज ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट करते हुए लिखा- %हां सच में हम दोनों अपनी-अपनी धार्मिक मान्यताओं के लिए अपने प्यार की कुर्बानी देने के लिए राजी हुए, हम दोनों 30+ हैं और हमें ये मच्योर डिसिजन लेने का पूरा हक है और हमने ऐसा किया. हमने अपनी पर्सनल जर्नी को कबूल करते हुए सौहार्दपूर्ण तरीके से अलग होने का फैसला किया है.

हमारी प्राइवेसी की इज्जत करें...

आसिम ने आगे लिखा- हिमांशी और हमारे अलग रास्तों के लिए इज्जत करें और हां वाकई मैंने उससे हमारे अलग होने की असली वजह लिखने के लिए कहा था. हमारी प्राइवेसी

की इज्जत करें. बता दें कि इससे पहले हिमांशी ने एक्स अकाउंट पर अपने और आसिम की चैट का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया था जिसमें आसिम ने हिमांशी को कहा था कि वे दुनिया को अपने ब्रेकअप की असल वजह ही बताएं. इसके बाद हिमांशी ने अपना एक्स अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिया था.हिमांशी खुराना और आसिम रियाज की लव स्टोरी रिएलिटी शो बिग बॉस 13 के घर से शुरू हुई थी. दोनों 4 साल से एक साथ था. कपल ने एक साथ कई म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया. लेकिन अब ये अपने अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखने की वजह से अलग हो गए हैं.

अमिताभ बच्चन ने इंस्टाग्राम पर बहू ऐश्वर्या को किया अनफॉलो, वजह करेगी हैरान?

हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी दमदार एक्टिंग के लिए काफी जाने जाते हैं। फिल्मी करियर के अलावा एकजुट बच्चन परिवार की वजह से बिग बी आए दिन चर्चा का विषय बनते हैं लेकिन मौजूदा समय में अमिताभ बच्चन का नाम किसी ओर वजह से सुर्खियां बटोर रहा है। खबर है कि अमिताभ बच्चन ने अपनी बहू और बी टाउन एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया है।

बिग बी ने ऐश्वर्या राय को कर दिया अनफॉलो

सोशल मीडिया पर अमिताभ बच्चन काफी एक्टिव रहते हैं। इंस्टाग्राम हैंडल पर बिग बी के 36.3 मिलियन फॉलोअर्स मौजूद हैं। इसके अलावा 74 लोगों को अमिताभ फॉलोबैक करते हैं। खास बात ये है कि इन 74 लोगों में अभिषेक बच्चन और इंडस्ट्री के तमाम सेलेब्स मौजूद हैं।

लेकिन इस लिस्ट में उनकी बहूरानी और बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम नहीं है। कहा ये भी जा रहा है कि अमिताभ बच्चन ने कभी भी ऐश को इंस्टाग्राम पर फॉलो नहीं किया था। जबकि कुछ फैंस ये अनुमान लगा रहे हैं कि बच्चन फैमिली में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हालांकि इस मामले की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकती है। हाल ही में ऐसे भी रूमर्ड सामने आए, जिनमें अमिताभ और अभिषेक के बीच अनबन होने के कयास भी तेज हुए। हालांकि स्पष्ट तौर पर ये नहीं कहा जा सकता है कि आखिर किस वजह से बिग बी ने ऐश्वर्या राय को अनफॉलो किया है।

द आर्चीजके प्रीमियर पर साथ नजर आई बच्चन फैमिली

हाल ही में अमिताभ बच्चन के नीता अगस्त्य नंदा की पहली फिल्म द आर्चीज का प्रीमियर रखा गया। इस दौरान अमिताभ बच्चन की पूरी फैमिली इस प्रीमियर में नजर आई। इस मौके पर अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, जया बच्चन, आराध्या बच्चन, अजिताभ बच्चन, निखिल नंदा और श्वेता बच्चन जैसे तमाम लोग एक साथ दिखाई दिए।

Vijay Varma को मिला दहाड़ के लिए एशियन एकेडमी अवॉर्ड, गर्लफ्रेंड Tamannaah Bhatia ने ऐसे जताई खुशी

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा बी टाउन के सबसे चर्चित कपल में से एक हैं। दोनों लगभग दो साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। अक्सर दोनों को कई बार साथ में भी स्पॉट किया जाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, दोनों काफी बार एक-दूसरे को चीयर करते हुए भी दिखाई देते हैं हाल ही में, विजय वर्मा ने एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स में दहाड़ के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब जीता। ऐसे में उनकी गर्लफ्रेंड तमन्ना भाटिया ने भी पोस्ट करते हुए उन्हें बधाई दी। इसके जवाब में विजय ने भी प्यारा सा पोस्ट किया।

तमन्ना भाटिया ने लुटाया प्यार

तमन्ना भाटिया ने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम स्टोरी पर विजय वर्मा की एक तस्वीर शेयर की और लिखा वाह एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स में बड़ी जीत हासिल करके भारत को गौरवान्वित कर रहा है। इसके जवाब में विजय में भी तमन्ना की स्टोरी को पोस्ट किया और लिखा मेरी देवी के लिए गोल्डन गॉडिस लाना।

विजय वर्मा ने लिखा था एक भावुक नोट

अवॉर्ड जीतने पर विजय वर्मा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए भावुक नोट लिखा। इसमें एक्टर ने लिखा, जब आप कोई अवॉर्ड जीतते हैं, तो यह हमेशा आश्चर्यजनक होता है, लेकिन इस बार यह और भी

खास था, क्योंकि आपकी जीत आपके देश की जीत है। मुझे दहाड़ के लिए प्रमुख भूमिका में प्रतिष्ठित एशियन एकेडमी सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त करने का सम्मान मिला।

इसके आगे विजय ने लिखा मुझे एशिया-प्रशांत में 10 अन्य अभिनय प्रतिभाओं के साथ नामांकित किया गया था और यह काफी पावर पैक रूम था, लेकिन अपने देशवासियों को यह कहते हुए खुशी हो रही है। हम एशिया-प्रशांत में सर्वश्रेष्ठ हैं, बेबी। सम्मान के लिए बहुत बहुत धन्यवाद एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवार्ड्स। मेरी दहाड़ टीम के बिना ऐसा नहीं हो पाता।

इसी साल किया रिश्ते को ऑफिशियल

बता दें कि तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने इसी साल अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया। इन की लव स्टोरी की शुरुआत वेब सीरीज लस्ट स्टोरीज-2 के सेट पर हुई। इस सीरीज में दोनों ने पति-पत्नी का किरदार निभाया था।

रणवीर सिंह

की तरह इस TV एक्टर ने भी कराया फोटोशूट, बताया- पत्नी का था कैसा रिएक्शन

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह (Ranveer Singh) ने जब से फोटोशूट कराया है, तब से तहलका मच गया है. एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में भले ही उन्हें उनके लेटेस्ट फोटोशूट की वजह से प्रशंसा मिल रही हो, लेकिन कई लोग उनके इस कदम से नाराज हैं. बीते दिनों हालात तो ऐसे हो गए थे कि, उनके खिलाफ खुफ्रभी दर्ज कराई जा रही थी. हालांकि, रणवीर सिंह अपने फोटोशूट से ना केवल चर्चाओं में हैं, बल्कि उनके इस कदम ने कई लोगों को प्रेरित भी किया है.रणवीर सिंह ने एक ऐसी पहल शुरू की है, जिसे करने में हर कोई 10 बार सोचता है, क्योंकि समाज से गलत नजर से देखता है. हालांकि, रणवीर की इस पहल ने कई लोगों को प्रेरित किया. कई स्टार्स जिन्होंने वर्षों पहले फोटोशूट कराया था, उन्हें उसे शेयर करने में उस वक्त हिम्मत नहीं मिली थी. लेकिन रणवीर के बाद उन्होंने भी सोशल मीडिया पर उसे शेयर किया था. यही नहीं, एक एक्टर ने तो उनसे प्रेरणा लेकर उनके नक्शेकदम पर चलने का फैसला किया और फोटोशूट कराया.

कुणाल वर्मा ने कराया फोटोशूट

'तुझ संग प्रीत लगाई सजना' फेम एक्टर कुणाल वर्मा (Kunal Verma) ने हाल ही में रणवीर सिंह की तरह एक फोटोशूट कराया है. एक्टर ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इसकी एक तस्वीर भी शेयर की है. इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है, मेरे पास लिमिटेड पैसे थे तो मैंने इसे अपने शरीर पर खर्च करने का सोचा.

कुणाल वर्मा ने बताई फोटोशूट की वजह

एक्टर कुणाल वर्मा ने 'ईटाइम्स' को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि, उन्होंने ये फोटोशूट क्यों करवाया. एक्टर ने कहा, मैंने अपने शरीर पर इतना काम किया है तो मैं इसे क्यों छुपाऊं. बॉडी ही दिख रही है, और क्या? इसके अलावा कुणाल ने बताया कि, रणवीर सिंह ने उन्हें प्रेरित किया है.क्टर ने कहा, किसी को तो पहल करनी होगी.

रणवीर ने इसे वाकई बहुत खूबसूरती से किया. मैंने उनसे प्रेरणा ली और मुझे इसमें कोई टी नहीं दिखाई दी.कुणाल ने ये भी बताया कि, उन्होंने माइक्रो शॉर्ट्स पहने थे.

कुणाल वर्मा की फोटोशूट पर पत्नी पूजा वर्मा का रिएक्शन

कुणाल वर्मा ने एक्ट्रेस पूजा बनर्जी (Puja Banerjee) से शादी की है. उनके फोटोशूट पर एक्ट्रेस का कैसा रिएक्शन था, इस पर कुणाल ने कहा, मेरी पत्नी पूजा ने ही इसे क्लिक किया है और किससे क्लिक कराऊंगा.

20 सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, स्टार प्लेयर हुआ बाहर

डरबन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी बाएं टखने में मोच के कारण भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से बाहर हो गए। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के एक बयान में कहा गया है कि 27 वर्षीय खिलाड़ी को टीम से रिलीज कर दिया गया है। एनगिडी अपनी घरेलू टीम के पास लौटेंगे लेकिन दक्षिण अफ्रीका की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) से गुजरेंगे। एनगिडी को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को जानसन के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज आक्रमण का नेतृत्व करना था। टीम में उनकी जगह तेज गेंदबाज ब्यूरेन हेंड्रिक्स को शामिल किया गया है। तैंतीस साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेंड्रिक्स ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपना पिछला मैच 2021 में टी20 प्रारूप में ही खेला था। उन्होंने 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 25 विकेट लिए हैं।

बांग्लादेश दौरे पर न्यूजीलैंड की वनडे टीम घोषित, केन विलियमसन बाहर, यह प्लेयर बना कप्तान

ढाका। बांग्लादेश दौरे पर टेस्ट मुकाबले खेल रही न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की आगामी वनडे सीरीज के लिए क्रिकेट बोर्ड ने टीम घोषित कर दी है। वनडे टीम के लिए केन विलियमसन (Kane Williamson) का आराम दिया गया है। जबकि क्रिकेट विश्व कप 2023 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम की कप्तानी करने वाले टॉम लैथम पर फिर से भरोसा जताया जा रहा है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) बोर्ड ने 6 दिसंबर से होने वाली सीरीज के लिए अपनी 14-खिलाड़ियों की टीम में कई नए खिलाड़ी भी डाले हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ऑकलैंड एसेस के लेग स्पिनर आदि अशोक, सेंट्रल स्टैग्स के ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और कैंटरबरी के तेज गेंदबाज विल ओ%रूर्के को 3 अनकैप्ड खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है। पिछले महीने भारत में बल्ले से शानदार प्रदर्शन को देखते हुए विश्व कप 2023 के हीरो रचिन रवींद्र को भी वनडे में बरकरार रखा गया है। केन विलियमसन की अनुपस्थिति में विश्व कप में कप्तानी करने वाले टॉम लैथम अब नेतृत्व की भूमिका में आएंगे। विलियमसन के अलावा, टिम साउथी, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर, ग्लेन फिलिप्स, लॉकी फर्ग्यूसन, जिम्मी नीशम और ट्रेंट बोल्ट जैसे साथी वरिष्ठ सदस्य भी अलग-अलग कारणों से टीम का हिस्सा नहीं हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड द्वारा घोषित टीम

टॉम लैथम (कप्तान), आदि अशोक, फिन एलन, टॉम ब्लंडेल, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, हेनरी निकोल्स, विल ओ'रूर्के, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी और विल यंग।

ईशान किशन या जितेश शर्मा, किसे मिलेगी वरीयता, प्रबंधन परेशान

नई दिल्ली। क्रिकेट विश्व कप 2023 में फाइनल मुकाबला गंवाने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज 4-1 से जीती थी। इस सीरीज के दौरान भारतीय टीम ने कुछ नए प्लेयरों को चिन्हित किया। सलामी बल्लेबाज अच्छे रहे तो वहीं विकेटकीपिंग के लिए दो बार फिर से सामने आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज से पहले टीम इंडिया प्रबंधन पर ईशान किशन या जितेश शर्मा में से किसी एक चुनने की समस्या खड़ी हो गई है। ईशान किशन मेन इन ब्लू के लिए एक भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं। ईशान ने क्रिकेट वनडे विश्व कप में 2 मैच खेले और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी तीन टी20 मुकाबलों में हिस्सा लिया। सीरीज में के आखिरी 2 मैचों में जितेश शर्मा को मौका दिया गया। जितेश ने इसका पूरा फायदा उठाया और प्रभावित करने में सफल रहे। अब टी20 विश्व कप नजदीक आते ही प्रबंधन में किशन और जितेश में से किसी एक को प्लेइंग 11 में वरीयता देने की मुसीबत खड़ी हो गई है। पहले तीन मैचों में, इशान किशन नंबर 3 पर बल्ले से शानदार थे। उन्होंने बैक-टू-बैक अर्द्धशतक (58, 52) बनाए लेकिन तीसरे गेम में शून्य पर आउट हो गए। जितेश शर्मा भी अलग नहीं थे। निचले क्रम में आकर उन्होंने फिनिशर की भूमिका निभाई और श्रृंखला के आखिरी दो मैचों में 19 में 35 और 16 गेंद में 24 रन बनाए। टी20 विश्व कप नजदीक आने के साथ ही दोनों खिलाड़ियों के लिए भारतीय टीम के लिए अपनी उपयोगिता साबित करना बेहद जरूरी है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स : केंद्रीय खेल मंत्रालय ने चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 10 से 17 दिसंबर तक आयोजित होने वाले खेलो इंडिया पैरा गेम्स के उद्घाटन संस्करण के लिए किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाया गया है। पैरा एथलीटों को अक्सर उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों के कारण विशेष और संवेदनशील चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है और इसलिए, राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) ने ऐसे पेशेवरों को नियुक्त किया है जो विभिन्न चिकित्सा स्थितियों के प्रबंधन में प्रशिक्षित हैं। एनसीएसएसआर, भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा कार्यान्वित एक योजना है, जिसका उद्देश्य खेल पर ध्यान केंद्रित करने के साथ विशिष्ट एथलीटों के उच्च प्रदर्शन के संबंध में उच्च स्तरीय अनुसंधान, विज्ञान और खेल चिकित्सा शिक्षा और नवाचार का समर्थन करना है। । सोमवार 11 दिसंबर को भव्य उद्घाटन समारोह

के लिए निर्धारित खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दौरान, प्रतियोगियों को आयोजन के संगठनात्मक समर्थन के हिस्से के रूप में व्यापक चिकित्सा कवरेज प्राप्त होगा। इस कवरेज में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, ऑन-साइट चिकित्सा टीमें और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच शामिल है। एनसीएसएसआर के प्रभारी निदेशक ब्रिगेडियर बिभु नायक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'भारतीय खेल प्राधिकरण और युवा मामले और खेल मंत्रालय में खेलो इंडिया डिवीजन की ओर से एनसीएसएसआर द्वारा सभी संभव उपाय किए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी भाग लेने वाले पैरा एथलीटों को खेलों के दौरान सुरक्षित रूप से प्रतिस्पर्धा करने और किसी भी स्वास्थ्य संबंधी चिंता का समाधान करने के लिए अपेक्षित चिकित्सा सहायता प्राप्त हो। उन्होंने कहा, उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और चुनौतियों के कारण आवश्यक विशेष चिकित्सा देखभाल को ध्यान में रखते हुए खेलों के लिए एक व्यापक चिकित्सा कवर रखा गया है। चिकित्सा कवर योजना में खेल के मैदान पर समर्पित सहायक कर्मचारी, प्रत्येक आयोजन स्थल के चिकित्सा केंद्रों पर पुनर्जीवन कक्ष और स्थिरीकरण कक्ष की स्थापना के साथ-साथ खेलो इंडिया पैरा गेम्स स्थल के नजदीकी तृतीयक देखभाल चिकित्सा केंद्र पर तत्काल निकासी के लिए पर्याप्त संख्या में एएलएस और बीएलएस एम्बुलेंस शामिल हैं।

यूपी योद्धा का लक्ष्य तेलुगु टाइटंस के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखना

बेंगलुरु। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) फ्रेंचाइजी यूपी योद्धा अपने 15वें मैच में तेलुगु टाइटंस के खिलाफ अपनी जीत की गति को बनाए रखना चाहेगी, जो यहां श्री कांतीरवा इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा। योद्धाओं ने अहमदाबाद में अपने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा स्टीलर्स को 57-27 से हराया था। वे वर्तमान में छह अंकों और 26 के स्कोर अंतर के साथ तालिका में चौथे स्थान पर हैं। यूपी योद्धाओं का तेलुगु टाइटंस के खिलाफ रिकॉर्ड बेहतर है क्योंकि उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ खेले गए 12 मैचों में से आठ बार हैदराबाद की टीम को हराया है। टाइटंस ने दो बार जीत हासिल की जबकि अन्य दो मैच टाई रहे। मैच से पहले यूपी योद्धा के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, +हमने एक इकाई के रूप में कुछ एकजुटता दिखानी शुरू कर दी है और हम अपनी शैली की कबड्डी खेलने की कोशिश कर रहे हैं। हम एक समय में केवल एक ही मैच लेंगे और वर्तमान गेम का विश्लेषण करेंगे ताकि खिलाड़ी मैट पर क्या चल रहा है, उस पर ध्यान केंद्रित रख रहे हैं। योद्धाओं को खुशी होगी कि उनके गतिशील कप्तान, परदीप नरवाल ने अपना फॉर्म हासिल कर लिया है, उन्होंने हरियाणा स्टीलर्स के खिलाफ पिछले गेम में 12 रेड अंक हासिल किए थे। सुरेंदर गिल ने सर्वाधिक 13 अंक बनाए और यह जोड़ी आक्रमण के मोर्चे पर खतरनाक दिख रही है। योद्धाओं के लिए डिफेंस मजबूत रहा है, कॉर्नर डिफेंडरों सुमित और नितेश कुमार ने विपक्षी रेडरों को बहुत कम मौका दिया है।

पिछले मैच में डिफेंस ने अपनी ताकत दिखाते हुए 20 टैकल प्वाइंट हासिल किए थे। तेलुगु टाइटंस ने सीजन की शुरुआत अच्छी नहीं की है क्योंकि वे अपने दोनों मैच गुजरात जायंट्स से 32-38 से और पटना पाइरेट्स से 28-50 से हार गए थे, लेकिन वे एक खतरनाक इकाई हो सकते हैं, खासकर उनके स्टार रेडर और कप्तान पवन सहरावत के शानदार फॉर्म में होने से।

बीबीएल: बांह की चोट के कारण पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ मैच से बाहर हुए ग्लेन मैक्सवेल

ब्रिस्बेन। मेलबर्न स्टार्स के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल चोट के कारण पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ बुधवार के मैच से बाहर हो गए हैं। मैक्सवेल को बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 13 के शुरुआती मैच में ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय बांह में चोट लग गई थी। मैक्सवेल के 14 गेंदों पर 23 रन बनाने के बावजूद स्टार्स 103 रनों से हार गए। मेलबर्न स्टार्स ने जारी एक बयान में कहा, मैक्सवेल को गुरुवार रात ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय चोट लगी थी और वह तुरंत अपना पुनर्वास शुरू करेंगे। वहीं, ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ गेंदबाजी करते समय पिंडली की चोट के नुकसान का पता लगाने के लिए नाथन कूल्टर-नाइल का इस सप्ताह के अंत में स्कैन किया जाएगा। क्लब स्कॉर्चर्स के खिलाफ मुकाबले से पहले एक और अपडेट प्रदान करेगा। मैक्सवेल को हीट के खिलाफ मैच के दौरान दो बार चिकित्सा सहायता प्राप्त हुई, उनके अग्रबांह को लपेटा गया था, और बाद में गाबा में आउट होने के बाद उन्हें डगआउट में बर्फ लगाते हुए दिखाया गया था।

क्रिकेट के सभी प्रारूपों में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की पूर्णकालिक कप्तान बनीं एलिसा हीली

मेलबर्न। एलिसा हीली को सभी प्रारूपों में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम का पूर्णकालिक कप्तान नियुक्त किया गया है। हीली, जिन्होंने जून से इंग्लैंड, आयरलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया है, अब मेग लैनिंग की जगह लेंगी, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। इसी तरह, ताहलिया मैक्ग्राथ को टीम का उपकप्तान नामित किया गया है। मैक्ग्राथ ने हाल ही में एडिलेड स्ट्राइकर्स को डब्ल्यूबीबीएल खिताब दिलाया था और हाल के दिनों में कुछ बार ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी भी की है।

हीली ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं कप्तान की भूमिका स्वीकार करके सम्मानित

महसूस कर रही हूं और हमारी टीम का नेतृत्व करने के अवसर के लिए आभारी हूं। मैंने वास्तव में पिछले कुछ महीनों में खिलाड़ियों के समर्थन का आनंद लिया है।

उन्होंने आगे कहा, मेरा दृष्टिकोण वही रहेगा जो पहले था, लेकिन मैं भूमिका पर अपनी छाप छोड़ूंगी और सुनिश्चित करूंगी इस समूह को जो सफलता मिली है उसे बनाए रखूं और इसके लिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी। बता दें कि राचेल हेन्स के संन्यास के बाद पिछले अक्टूबर में हीली को ऑस्ट्रेलिया का उप-कप्तान नामित किया गया था, लेकिन जल्द ही उन्हें पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के लिए स्टैंड-इन कप्तान नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने टी20 श्रृंखला 4-1 से जीती। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल हीली के नेतृत्व में एशेज बरकरार रखी और उनका अगला काम इस महीने भारत में होगा जहां ऑस्ट्रेलिया को एक बहु-प्रारूप श्रृंखला खेलनी है।

दृढ़ साहस और कभी हार न मानने वाले जज्बे का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं पैरा पावरलिफ्टर अशोक

नई दिल्ली। वर्ष 2018 में एशियाई पैरा खेलों में करियर के लिए खतरा बनी चोट ने पैरा पावरलिफ्टर अशोक की एक बड़े आयोजन में भारत के लिए पोडियम पर खड़े होने की उम्मीदें लगभग खत्म कर दीं। लेकिन यह उनका दृढ़ साहस और कभी हार न मानने वाला रवैया ही था, जिसने उन्हें चार साल बाद हाल ही में हांग्जो एशियाई पैरा खेलों में अपना सपना साकार करने में मदद की, जहां उन्होंने कांस्य पदक जीता। अब, अशोक पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में भाग लेने के लिए उत्सुक और पूरी तरह तैयार हैं और यह दिखाएगा कि अपनी क्षमताओं में दृढ़ संकल्प और विश्वास क्या सामने ला सकता है। गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा सहित कई ओलंपिक पदक विजेताओं के घर, हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए, अशोक 243 पैरा एथलीटों के एक विशाल दल में शामिल होंगे, जो दृढ़ता का भव्य प्रदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं कि हरियाणा पहले स्थान पर शीर्ष पर रहे। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 इस रविवार, 10 दिसंबर 2023 से नई दिल्ली में शुरू होने वाला है।

उत्साहित अशोक ने कहा, '2018 में जिस दिन से खेलो इंडिया का पहला संस्करण आयोजित हुआ था, तब से सभी पैरा-एथलीट सोचते थे कि हमें खेलो इंडिया गेम्स का हिस्सा बनने का मौका कब मिलेगा। आखिरकार वह दिन आ ही गया,

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना किसी भी एथलीट के लिए सबसे बड़ा सपना होता है, लेकिन खेलो इंडिया गेम्स को लेकर ऐसी चर्चा है कि हम सभी इसका हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं।' नकली पोलियो ड्रॉप के शिकार अशोक के पैर गंभीर रूप से प्रभावित हुए, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बचपन में ही व्हीलचेयर पर बैठना पड़ा। पावरलिफ्टिंग में उनकी रुचि कई बॉलीवुड अभिनेताओं की तरह अच्छी काया पाने की उनकी इच्छा से उत्पन्न हुई। वह कहते हैं, %%मैं सलमान खान, फिल्म रेम्बो (सिल्वेस्टर स्टेलोन), संजय दत्त को देखता था और मुझे लगता था कि मुझे भी उनके जैसा शरीर बनाना चाहिए। मैं अपने निचले शरीर के साथ कुछ नहीं कर सकता था, लेकिन मैं वास्तव में अपने ऊपरी शरीर का निर्माण करना चाहता था।' अपने दोस्तों के साथ, अशोक ने जिम ज्वाइन किया लेकिन वह अक्सर हंसी का पात्र बन जाते थे। उनकी विकलांगता को लेकर कई लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। लेकिन अशोक ने कभी हार नहीं मानी, बहुत जल्द ही उन्होंने अपने साथी सक्षम जिम साथियों की तुलना में भारी वजन उठाना शुरू कर दिया। इसने उन्हें खेल को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित किया और राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना शुरू कर दिया। लेकिन एक पैरा-लिफ्टर के रूप में उनका उन्नत करियर, चोट के कारण बाधित हो गया। 2018 में, इंडोनेशिया के जकार्ता में पैरा-एशियाई खेलों में, अशोक को हाथ में गंभीर चोट लगी थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नई गेंद ही भारत के लिए मंत्र है : इरफान पठान

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस महीने के अंत में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए मेहमान टीम का मंत्र नई गेंद होगी। टीम को दोनों पारियों में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दौरान नई गेंद की चुनौती का सामना करना होगा। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट खेलना है। पहला टेस्ट 26-30 दिसंबर तक सेंचुरियन में तो दूसरा 3-7 जनवरी तक केप टाउन में होना है।

2 टेस्ट मैचों की श्रृंखला जीतने के बाद यह 2023-2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की भारत की दूसरी सीरीज है। पठान ने एक शो के दौरान कहा कि देखो, उन्हें जीत के लिए मंत्र की खोज करनी होगी और मुझे लगता है कि यह मंत्र नई गेंद में है। जब आप नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हैं तो आप उसपर जीत हासिल कर लेते हैं। इससे आपके लिए चीजें आसान हो जाएंगी। वैसे भी दक्षिण अफ्रीका में सबसे मुश्किल काम बल्लेबाजी करते वक्त नई गेंद का सामना करना ही है।

भारत ने आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका में दिसंबर 2021-जनवरी 2022 में टेस्ट श्रृंखला खेली थी। भारत ने सेंचुरियन में पहला टेस्ट जीता था लेकिन

इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग और केप टाउन टेस्ट जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली थी। पठान ने कहा कि मैंने पाया कि पिछली बार जब हमने वह खेला था और टेस्ट श्रृंखला जीती थी तब हम उनके खिलाफ जीते थे, जिस तरह से हमने दूसरे और तीसरे स्पैल में गेंदबाजी की थी, हम एक गेंदबाजी इकाई के रूप में थक गए थे। हमारी लंबाई थोड़ी कम थी, मुझे आज भी पिच का नक्शा याद है। पिच की गई गेंदें बिल्कुल भी चमक नहीं रही थीं।

भारतीय टीम की ओर से इस बार जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी (फिटनेस के अधीन), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। बल्लेबाजी में कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और ईशान किशन मौजूद हैं। इस पर पठान ने कहा कि मुझे लगता है कि हमें जिस मंत्र का पालन करने की जरूरत है वह नई गेंद है। यहीं पर फिटनेस भी आती है, अगर हम ये दो टेस्ट मैच जीतना चाहते हैं तो मैं मानता हूं कि ये वास्तव में तीन या चार टेस्ट मैच होने चाहिए थे। यह भारतीय पक्ष के लिए फायदेमंद हो सकता है क्योंकि यह दो टेस्ट मैच हैं, वे पूरी ताकत लगा सकते हैं।

महिला जूनियर विश्व कप 2023 के क्लासिफिकेशन मैच में भारत ने कोरिया को 3-1 से हराया

सैंटियागो। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चिली में खेले गए एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 के 9वें-12वें स्थान के क्वालीफिकेशन मैच में कोरिया को 3-1 से हरा दिया। भारत के लिए रोपनी कुमारी (23फीसदी), मुमताज खान (44फीसदी) और अन्नू (46फीसदी) ने गोल किए, जबकि कोरिया के लिए जियुन चोई (19फीसदी) ने एकमात्र गोल किया। मैच की शुरूआत में दोनों ही टीमें काफी आक्रामक रहीं। कोरिया ने दबदबा बनाए रखा और पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन इसका फायदा नहीं उठा सका। भारत ने जवाबी हमलों का विकल्प चुनते हुए, कोरिया के डिफेंस को व्यस्त रखा, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली, जिसके परिणामस्वरूप पहला क्वार्टर गोल रहित समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में

पहले की तरह ही तीव्रता दिखाई दी, जिसमें भारत और कोरिया ने आक्रामक खेल जारी रखा। कोरिया के जियुन चोई (19फीसदी) ने सटीक पेनल्टी कॉर्नर के जरिये गोल कर कोरिया को बढ़त दिला दी, हालांकि 23वें मिनट में रोपनी कुमारी ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिये गोल कर भारत को 1-1 से बराबरी दिला दी। मध्यांतर तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और कोरिया की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाए रखा, जिसका लाभ भी टीम को मिला, क्योंकि मुमताज खान (44फीसदी) ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। बढ़त लेने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम ने अपने हमले तेज कर दिए और खेल के चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में ही अन्नू (46फीसदी) के शानदार फील्ड गोल की बदौलत 3-1 बढ़त हासिल की और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ ही भारत, जो पहले पूल सी में तीसरे स्थान पर रहने के बाद खिताब की दौड़ से बाहर हो गया था, को टूर्नामेंट में नौवें स्थान पर रहने का मौका मिलेगा जब वे 10 दिसंबर को प्रतियोगिता के अपने आखिरी मैच में चिली या यूएसए से भिड़ेंगे।

कुलकर्णी और मुशीर का ऑलराउंड प्रदर्शन, भारत ने अंडर-19 एशिया कप में अफगानिस्तान को हराया

नई दिल्ली। अर्शिन कुलकर्णी और मुशीर खान के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अंडर-19 एशिया कप में ग्रुप ए के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को हरा दिया है। कुलकर्णी और मुशीर ने क्रमशः तीन और एक विकेट के अलावा बल्लेबाजी के दौरान 75 और 48 रन की पारी खेली।

भारत ने राज लिम्बानी और अर्शिन कुलकर्णी के तीन-तीन विकेटों की घातक गेंदबाजों की बदौलत अफगानिस्तान को 173 रनों पर ढेर करने के बाद आदर्श सिंह और कुलकर्णी के नेतृत्व में अच्छी शुरूआत की। लेकिन आदर्श 2.5 ओवर में 22 रन पर आउट हो गए। आदर्श ने 14 रन की पारी खेली और बशीर अहमद की गेंद पर मोहम्मद युनुस जादरान के हाथों कैच आउट हो गए।

रुद्र पटेल (5) क्रीज पर जमने की कोशिश कर रहे थे कि खलील अहमद ने 7.1 ओवर में उन्हें नुमान शाह के हाथों कैच आउट करवाकर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। इस विकेट के बाद कप्तान उदय सहारन और कुलकर्णी के बीच 44 रन की छोटी साझेदारी हुई जो 19.3 ओवर में टूटी। उदय वहीदुल्लाह जादरान की गेंद पर नुमान शाह के हाथों बोल्ड हुए। इसके बाद मुशीर खान मैदान में आए और कुलकर्णी के साथ जीत दर्ज कर वापस लौटे। इससे पहले भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही और उसने चौथे ओवर की तीसरी गेंद पर वफीउल्लाह तारखिल 15 रन का विकेट खो दिया। तारखिल को लिम्बानी ने बोल्ड आउट किया। जमशेद जदरान और सोहिल खान ने संभल कर खेलते हुए टीम के स्कोर को 75 रन तक पहुंचा। लेकिन 19 ओवर में सोहिल खान 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उसके बाद जदरान 43 रन को 23वें ओवर में अभिषेक ने बोल्ड कर अफगानिस्तान को तीसरा झटका दिया। अकरम मोहम्मदजई 20 रन, नुमान शाह 25 रन, मोहम्मद यनस ने 26 रन बनाए। कप्तान नसीर खान मारूफखिल पांच रन ही बना सके और खलील अहमद नौ रन बनाकर नाबाद रहे। रहीमुल्लाह जुर्मती, वहीदुल्लाह जादरान और बशीर अहमद शून्य पर आउट हुये। अफगानिस्तान की पूरी टीम निर्धारित 50 ओवरों में 173 के स्कोर पर ऑलआउट हो गयी। भारत की ओर से राज लिम्बनी और अर्शिन कुलकर्णी ने तीन-तीन विकेट चटकाए। नमन तिवारी ने दो बल्लेबाजों को आउट किया तथा मुरुगन अभिषेक और मशीर खान को एक-एक विकेट मिला।

शकुनि के पांसों से खेलेंगे तो शकुनि ही जीतेगा

कुछ विद्वानों की ईमानदार समझदारी है कि साम्प्रदायिकता की काट करने के लिए उसके बारे में कुछ भी बोलने के बजाय चुप रह जाना चाहिए और सारी शक्ति आर्थिक और दैनंदिन जीवन से जुड़े विषयों पर संघर्षों में लगाई जानी चाहिए। यह समझदारी अधूरी है, इसलिए कि विषबेल की जड़ और शाखाओं को निशाने पर लिए बिना सिर्फ कुछ पत्तियों को हिलाने से कुछ हासिल नहीं होता। यह बात इन चुनाव नतीजों में भी उजागर हुई।

ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषकों ने विधानसभा चुनाव परिणामों - खासकर छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के नतीजों - को अप्रत्याशित बताया है। अनेक के अनुसार चुनाव से पहले राजस्थान में भी इस तरह का अंतर दिखाई नहीं दे रहा था। जितनी चौंकाने वाली यह जीत है उतना ही चौंकाने वाला इस जीत के बाद - खासकर मध्यप्रदेश में - पसरा सन्नाटा है। इतनी भारी भरकम जीत के बाद भी न कहीं कोई उत्सव है, न जनता में ही कहीं कोई जोश है।किसी भी घटना विकास का कोई एकमात्र कारण नहीं होता, अनेक वजहें होती हैं जिनका जोड़ समुच्च्य अंततः परिणाम को निर्धारित करता है। अनेक ईंटें मिलाकर किसी इमारत को खड़ी करती हैं - मगर मुख्य होती बुनियाद और ईंटों को जोड़ने वाला सीमेंट!! निर्णायक वही होती है, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के नतीजों के पीछे वह बुनियाद और सीमेंट क्या है इसे अब तक उपलब्ध कुछ उदाहरणों के जरिये समझा जा सकता है।

इनमें से एक है डाक मतपत्र ; सार्वजनिक क्षेत्र और संगठित क्षेत्र के मजदूर कर्मचारी इन दिनों अपने उद्योगों के अस्तित्व के संकट से गुजर रहे हैं। निजीकरण, वेतन समझौतों का लगातार टाला जाना और नई भर्ती पर रोक के चलते हुई काम बाढ़ और बढ़ती औद्योगिक असुरक्षा ने इन उद्योगों की तस्वीर ही बदल कर रख दी है। विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के जितने भी पब्लिक सेक्टर की बसाहटों के इलाके थे उनमें उसी पार्टी को ज्यादा वोट मिले जो यह सब भयानक तेजी के साथ कर रही है। क्यों?तीसगढ़ और राजस्थान की सरकारें पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू कर चुकी थीं । मध्यप्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने सरकार में आते ही ओपीएस को लागू करने का वायदा किया था। इसके बावजूद अब तक मिली जानकारी के मुताबिक इन तीनों ही प्रदेशों में कर्मचारियों के एक तिहाई, कहीं-कहीं इससे भी अधिक हिस्से ने वोट्स पेंशन बंद करने वाली भाजपा को दिए। क्यों?एक बड़ा तबका मध्यम वर्गीय, निम्न मध्यमवर्गीय समुदाय का है; वह समुदाय जिसमें हर घर में दो या तीन बेरोजगार या अर्ध-बेरोजगार हैं। महीने के खर्च निकालने में पसीना निकल आता है, बैंक कर्ज की किश्तें चुकाने की चिंता में नींद हराम हुई पड़ी है, इसके बाद भी वह उन्हीं का बटन दबा कर आया है जिसकी वजह से ये मुश्किलें पैदा हुईं। क्यों?मप्र में आदिवासियों के लिए आरक्षित आधे से ज्यादा और बस्तर की दो तिहाई और सरगुजा की सभी की सभी सीट्स जीत हासिल करती है, बाकी आदिवासी सीट्स पर भी उसके वोट्स बढ़ते हैं। क्यों?महंगाई की आग का प्रत्यक्ष अनुभव करने वाली महिलाओं का बड़ा हिस्सा, सस्ते गैस सिलेंडर के वायदों के बावजूद अचानक उसी बटन को दबाकर आ जाता है जिस पर वह लानत भेज रहा था। क्यों?इन सभी क्यों का एक ही जवाब है, इन सभी समानताओं का एक ही साम्य है; इसका नाम है हिंदुत्व!! वह हिंदुत्व जो धर्म की चाशनी में डुबोकर धतूरा मिली अफीम है। इसी का असर था कि जो सभी आपस में बैठते समय भाजपा सरकार की नीतियों पर गुस्सा उतारते हैं, उसके लिए उसे धिक्कारते हैं। इनमें से किसी भी शिकायत का जवाब दिए बिना, बल्कि इनकी पुष्टि करते हुए कोई चतुर सुजान धीरे से बोलता है कि %कुछ भी कहो, हिन्दुओं को तो बचाया है।% और इस एक वाक्य से अंगुली सीधे उस जगह पहुंच जाती है, जहां वह खुद नहीं दबाना चाहता।मध्यप्रदेश में चुनाव की गरमागरमी शुरू होने के पहले ही सभी गांवों में एक एक बाबा- साधू-पुजारी की विधिवत ड्यूटी लगाई गई। इन पंक्तियों के लेखक ने स्वयं एक शुद्ध आदिवासी गांव में देखा कि दुर्गा पूजा के नाम पर एक चबूतरे पर एक अस्थायी मन्दिर बना है और एक पुजारी जी उसमें उन आरतियों को गवा रहे हैं जिनका न दुर्गा के साथ कोई रिश्ता है, न आदिवासी संस्कृति के साथ कोई संबंध है। पुजारी से बात करने से पता चला कि उनकी %जिम्मेदारी% में यह गांव और यह काम है। इसके लिए वे हर शाम कोई 45 किलोमीटर दूर से सिर्फ यही कर्मकाण्ड कराने आते हैं और रात में फिर 45 किलोमीटर लौट जाते हैं। आदिवासियों को जनेऊ, चोटी का महत्व समझाते हैं और इस तरह इस कदर संस्कारित करते हैं कि इन दिनों अब उन्हें भी अपनी बच्चियों और महिलाओं को घर से बाहर जाने देना कुसंस्कार लगने लगा है।

ये वे गांव हैं जिनमें भले पीने के पानी के लिए हैण्डपम्प तक नहीं है - मगर मेड इन चाइना हैंडी लाउडस्पीकर्स में एक जैसी पेन ड्राइव से एक जैसे गीत और प्रवचन हैं, और उन्हें निश्चित समय पर बजाने वालों की तैनाती है। लगभग हर बड़े गांव के प्रवेश द्वार पर पंचायतों और ग्रामीण विकास के लिए आये फण्ड से पिछली कुछ वर्षों में नए-नए भगवानों की विशालकाय मूर्तियां खड़ी कर दी गई हैं। यह प्रक्रिया आदिवासियों के हिन्दूकरण की महापरियोजना के तहत शुरू हुई थी - अब उनके उग्र हिन्दुत्वीकरण तक पहुंच गई है। जनमानस के विवेक को हर लेने, उसकी दृष्टि को संकुचित कर देने वाले इस नफरती कोहरे से सारे वातावरण को पाट दिया गया है। यही विवेक शून्यता है जो सब कुछ जानने समझने के बाद भी उसी अंधेरे कुएं में धकेल रही है, जिससे बाहर आने के लिए यह बाकी 4 वर्ष 364 दिन छटपटाता रहता है।सवाल यह है कि इसका मुकाबला कैसे किया गया?इतिहास का सबक है कि शकुनि के पांसों से खेलने की चतुराई% शकुनि की जीत को ही पक्का करती है !! उग्र हिंदुत्व और नर्म हिंदुत्व का रूपक तेज धधकती आग को सुलगती आग से ही बुझाने की कपोलकल्पना है। धार्मिक होना एक अलग बात है मगर धर्म का राजनीतिक इस्तेमाल एक बिलकुल ही अलग तरह का काण्ड है। साम्प्रदायिकता के उन्मादी प्रचार की काट और उसका तर्कसंगत जवाब ढूंढने की बजाय उन्हीं के उस अखाड़े में जाकर खेलना जिसके वे उस्ताद हैं- ऐसी कार्यनीति है जो साख और पहचान को ही धुंधला कर देती है। ऐसा करना सिर्फ धर्मनिरपेक्षता की समझदारी के ही उलट नहीं हैं बल्कि उस कथित सर्व धर्म समभाव की धारणा के भी खिलाफ है जिसे पिछले कुछ दशकों से इस देश की अनेक धर्मनिरपेक्ष पार्टियों ने अपनाया हुआ है। सांड को सींग से पकड़ना होता है। पूंछ से पकड़ने पर वही स्थिति होती है जो हुई है।

कुछ विद्वानों की ईमानदार समझदारी है कि साम्प्रदायिकता की काट करने के लिए उसके बारे में कुछ भी बोलने के बजाय चुप रह जाना चाहिए और सारी शक्ति आर्थिक और दैनंदिन जीवन से जुड़े विषयों पर संघर्षों में लगाई जानी चाहिए। यह समझदारी अधूरी है, इसलिए कि विषबेल की जड़ और शाखाओं को निशाने पर लिए बिना सिर्फ कुछ पत्तियों को हिलाने से कुछ हासिल नहीं होता। यह बात इन चुनाव नतीजों में भी उजागर हुई, यदि आर्थिक प्रश्न अकेले ही काफी होते तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ में राहतों और सहूलियतों में योगदान करने वाली नीतियों को इन चुनावों में निर्णायक होना चाहिए था; किन्तु ऐसा हुआ नहीं।निस्संदेह इन चुनावों में कारपोरेट घरानों से मिले अपार और अकूत पैसे का इस्तेमाल, वोट बंटवारे के लिए खूब सारा पैसा देकर मैदान में उतारी गई बी-टीम पार्टियां और उम्मीदवार, हितग्राहियों के संगठनों और दूसरे नामों से हर पोलिंग बूथ में बिछाया गया तीन से चार %कार्यकर्ताओं' का जाल, ईवीएम मशीनों से छेड़खानी की पुष्ट खबरें, डाक मतपत्रों को खोलने आदि इत्यादि की वारदातें भी इन चुनाव परिणामों को प्रभावित करने वाले कारणों में शामिल हैं। इनसे जुड़े तथ्य जल्द ही सामने आयेंगे। मगर इन सबके साथ, असली बुनियाद और उसका सीमेंट गारा नफरती धुंध है। इसकी शिनाख्त करना, इसका व्यापकतम शक्ति जुटा कर प्रतिरोध करना फौरी महत्व, सर्वोच्च प्राथमिकता का काम हो जाता है क्योंकि यह सिर्फ 4-5 प्रदेशों की विधानसभा तक सीमित मसला नहीं है, यह एक चुनाव का मामला भी नहीं है, यह वह खतरनाक फिसलन है जो देश को बहुत लम्बे समय तक अंधेरी गुफा में ले जाने की आशंकाओं से भरी है। ये वे लम्हे हैं जिनकी खता की सजा सदियों को भुगतनी पड़ सकती है।चुनाव परिणामों के बाद का सन्नाटा इस बात का प्रतीक है कि अभी भी नागरिकों का विराट बहुमत, साम्प्रदायिक दुष्प्रचार के प्रभाव में वोट डालने वालों का भी काफी बड़ा हिस्सा यह स्वीकार करने में लाज महसूस करता है कि उसने इस आधार पर वोट दिया है। कहीं न कहीं उसका सुप्त विवेक बचा है जो यह मानता है कि ऐसा करना अच्छी बात नहीं होती। मतलब यह कि, सैकड़ों वर्ष की साझी विरासत और साझी संस्कृति की फसल अभी पूरी तरह से उजड़ी नहीं है, धरा अभी बंजर नहीं हुई है।

सर्दियों में कैसे आपको स्वस्थ रख सकती है गाजर, जानें इसे खाने के 6 गजब के फायदे

सर्दियां आते ही हमारा खानपान पूरी तरह से बदल जाता है। इस मौसम में लोग अक्सर कई सब्जियों और फलों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। गाजर इन्हीं में से एक है जिसे खाने के ढेर सारे फायदे हैं। दिल को हेल्दी बनाने से लेकर वजन घटाने तक सर्दियों में गाजर खाने से कई फायदे मिलते हैं।

सर्दियां आते ही लोगों की जीवनशैली तेजी से बदलने लगती है। बदलते मौसम में अक्सर हमारी इम्युनिटी कमजोर होने लगती है, जिसकी वजह से हम आसानी से बीमारियों और संक्रमणों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में ठंड के इस मौसम हेल्दी रहने के लिए अपनी डाइट में सही बदलाव करना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि सर्दियों में लोग अलग-अलग फलों और सब्जियों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर खुद को हेल्दी रखते हैं। गाजर इन्हीं में से एक है, जो अपने पोषक तत्वों की वजह से सुपरफूड भी कहलाता है।

गाजर में ऐसे कई पोषक तत्व होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी हैं। गाजर विटामिन-ए, विटामिन सी, पोटेशियम, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होती है, जिसे खाने से त्वचा संबंधी समस्याएं भी कम हो जाती हैं। आप इसे सब्जी, सलाद या हलवा बनाकर अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। आइए जानते हैं सर्दियों में गाजर खाने के अनगिनत फायदे-

वजन घटाने में मददगार

सर्दियों में अक्सर तेजी से वजन बढ़ने लगता है, जिसकी वजह से इस मौसम में कई बार वजन मैंटेन करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गाजर को डाइट का हिस्सा बनाकर आप अपना वजन घटा सकते हैं। इसमें घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर मौजूद होते हैं। इसकी वजह से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जो वजन कंट्रोल करने में मदद करता है।

दिल के लिए फायदेमंद

अगर आप अपने दिल को सेहतमंद बनाना चाहते हैं, तो गाजर को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं। गाजर पोटेशियम से भरपूर होती है, जो दिल को हेल्दी बनाने के लिए अहम मिनरल होता है। साथ ही पोटेशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और दिल की बीमारी के खतरे को कम करने में मदद करता है। साथ ही गाजर फाइबर का भी अच्छा सोर्स होता है, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने और हार्ट डिजीज के खतरे को कम करने में मददगार साबित हो सकता है।

इम्यून सिस्टम मजबूत करे

गाजर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें पोटेशियम, विटामिन के, फास्फोरस और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं। गाजर में मौजूद गुण शरीर को हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस और सूजन से भी बचाते हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

इन दिनों लोगों का ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने ही गुजरता है। ऑफिस वर्क हो या मनोरंजन हर चीज के लिए लोग लैपटॉप और मोबाइल का इस्तेमाल करते रहते हैं। ऐसे में लगातार स्क्रीन के इस्तेमाल की वजह से लोगों को कम उम्र में ही आंखों की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में गाजर को डाइट में शामिल कर आप अपनी आंखों की रोशनी भी बढ़ा सकता है।

त्वचा के लिए गुणकारी

गाजर में मौजूद बीटा कैरोटीन, ल्यूटिन, लाइकोपीन और कई अन्य तत्व त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसलिए कच्ची गाजर खाने से अधिक स्वास्थ्य लाभ के साथ ही त्वचा को भी फायदा मिलता है।

पाचन में सुधार

अगर आप अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं, गाजर इसमें भी आपके लिए लाभकारी साबित होगी।

संपादकीय

नेहरू पर लंबे विमर्श की जरूरत

विधानसभा चुनावों के परिणामों से गदगद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विपक्षी सांसदों को नसीहत दी थी कि वे सकारात्मक रहें, हार का गुस्सा संसद में न उतारें। विपक्ष के साथ-साथ शायद श्री मोदी को अब अपने सांसदों को भी नसीहत दे देनी चाहिए कि जब जनता लगातार हम (भाजपा) पर भरोसा दिखा रही है, तो अब उस भरोसे पर उतरने के काबिल खुद को बनाएं और बार-बार नेहरू की बुराइयां तलाशना बंद करें। दरअसल बुधवार को संसद में एक बार फिर पं.नेहरू को कोसा गया। लोकसभा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पारित कर दिया और इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पीओके और कश्मीर के मसले को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना नेहरूजी की बड़ी भूल थी। इसके साथ ही श्री शाह ने नेहरू के साथ ब्लंडर शब्द का इस्तेमाल करते हुए ये भी कहा कि कश्मीर में जनमत संग्रह के प्रस्ताव के लिए नेहरू ही जिम्मेदार थे।

देश के पहले प्रधानमंत्री पं.नेहरू को संसद में इस तरह पहली बार नहीं कोसा गया है। खुद श्री मोदी सदन के भीतर यह टिप्पणी कर चुके हैं कि गांधी परिवार के लोग नेहरू उपनाम क्यों नहीं लगाते, उन्हें नेहरू उपनाम से शर्मिंदगी क्यों होती है। देश के प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के मुंह से ऐसी टिप्पणी अशोभनीय थी, लेकिन

देश के प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के मुंह से ऐसी टिप्पणी अशोभनीय थी, लेकिन इस पर किसी तरह का कोई अफसोस नहीं देखा गया। जबकि दुनिया भर के नेता पं. नेहरू की उदार, शांतिप्रिय, लोकतांत्रिक नीतियों, बुद्धिमत्ता और नेतृत्व क्षमता का लोहा मानते थे।

अमेरिका में ट्रंप सरकार के कार्यकाल में हुए हाउडी मोदी कार्यक्रम में अमेरिकी सीनेटर स्टेनी हॉयर ने श्री मोदी के सामने पं.नेहरू और गांधीजी को याद किया था। पिछले साल सिंगापुर की संसद में पीएम ली सीन लूंग ने जवाहरलाल नेहरू की तारीफ करते हुए कहा था कि देश में लोकतंत्र को कैसे काम करना चाहिए। ये कुछ मिसालें हैं, जो बताती हैं कि मौत की आधी सदी गुजर जाने के बाद भी नेहरू जी को लोग सम्मानपूर्वक याद करते हैं। भाजपा वैचारिक मतभेदों के कारण भले ही नेहरूजी को याद न करे, लेकिन इस तरह झूठे तथ्यों के साथ उनकी गलतियां गिनाकर उनका अपमान करना भी गलत है।अमित शाह के संसद में नेहरूजी पर लगाए इल्जाम से पहले विधानसभा चुनावों के नतीजों वाले दिन भाजपा के ट्विटर हैंडल पर नेहरूजी की एक तस्वीर प्रकाशित की गई थी, जिसमें वे एक महिला के साथ सिगरेट पीते दिख रहे हैं। सिगरेट पीना कोई अच्छी बात नहीं है, लेकिन ये उस दौर की बात है जब सार्वजनिक धूम्रपान किया जाता था। आप उस आदत की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन भाजपा ने चरित्रहनन के लिहाज से यह तस्वीर डाली थी। जब भाजपा जीत रही थी, उस वक्त अपनी खुशी जाहिर करने के लिए क्या उसे यही तरीका सूझा था, या फिर इसका कोई और मकसद था। और अभी संसद में फिर से नेहरूजी के जिम्मे गलतियां थोप कर भी भाजपा क्या हासिल करना चाहती है, यह समझना होगा।जम्मू-कश्मीर में विशेष राज्य का दर्जा समाप्त हो चुका है, अनुच्छेद 370 मोदी सरकार ने हटा दिया है, राज्य दो हिस्सों में बंट गया है, लेकिन अब तक वहां चुनाव नहीं कराए गए हैं। सरकार सब कुछ सामान्य होने का दावा करती है, तो फिर अब चुनाव कराने का फैसला क्यों नहीं ले पा रही है। कश्मीर के हालात के लिए नेहरूजी पर सारी जिम्मेदारी डालकर अपनी जिम्मेदारियों से कैसे बरी हुआ जा सकता है, ये सवाल भाजपा से पूछा जाना चाहिए। संसद में नेहरू के दो तथाकथित ब्लंडर जब श्री शाह गिना रहे थे, तो वे शायद इस तथ्य को भूल गए कि कश्मीर मसले पर अकेले नेहरू काम नहीं कर रहे थे, इतिहास में दर्ज है कि इसमें सरदार पटेल, लार्ड माउंटबेटन, शेख अब्दुल्ला, वी के कृष्ण मेनन इन सबकी अहम भूमिकाएं थीं। भाजपा अगर इतिहास के पन्नों को पलटेगी तो देखेगी कि जनमत संग्रह का प्रस्ताव नेहरू की ओर से पहले नहीं आया था। इस मामले में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल माउंटबेटन ने मोहम्मद अली जिन्ना से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद 2 नवंबर 1947 को नेहरू को लिखे एक खत में माउंटबेटन ने कहा कि -

मैंने मिस्टर जिन्ना से पूछा कि आप कश्मीर में जनमत संग्रह का इतना विरोध क्यों करते हैं। उन्होंने उत्तर दिया- कारण यह है कि कश्मीर पर भारतीय उपनिवेश का अधिकार होते हुए और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कांफ्रेंस के वहां सत्तारूढ़ होते हुए, वहां के मुसलमानों पर प्रचार और दबाव का ऐसा जोर डाला जाएगा कि औसत मुसलमान कभी पाकिस्तान के लिए वोट देने की हिम्मत नहीं करेगा। यानी जनमत संग्रह का डर जिन्ना को था, नेहरू को नहीं। वहीं भारत के गवर्नर जनरल की हैसियत से लॉर्ड माउंटबेटन ने सबसे पहले संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में जनमत संग्रह कराने की पेशकश जिन्ना से की थी। माउंटबेटन के शब्दों में- %मैंने सुझाया कि जनमत संग्रह का कार्य हाथ में लेने के लिए हम संयुक्त राष्ट्र संघ को निमंत्रित कर सकते हैं और मुक्त तथा निष्पक्ष जनमत संग्रह के लिए आवश्यक वातावरण उत्पन्न करने के लिए हम राष्ट्र संघ से ऐसी विनती कर सकते हैं कि वह पहले से अपने निरीक्षकों और संगठनों को कश्मीर भेज दे. मैंने दोहराया कि मेरी सरकार यह कभी नहीं चाहेगी कि कपटपूर्ण जनमत संग्रह द्वारा कोई झूठा परिणाम प्राप्त किया जाए।

रुपये में लगातार गिरावट भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय

नन्तु बनर्जी

रुपये की लगातार गिरावट में योगदान देने वाले कई कारक हैं। भारतीय अमीरों द्वारा विदेशी मुद्रा की फिजूलखर्ची उनमें से एक है। अन्य में मुद्रास्फीति, मुद्रास्फीति से असंबद्ध ब्याज दर, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भुगतान का घाटा संतुलन, उच्च विदेशी ऋण, राजकोषीय घाटा और सरकारी उधार शामिल हैं। मुद्रास्फीति, अंतर अनुमानित दरें और विदेशी विनिमय दरें सहसंबद्ध हैं।

अपने हालिया %मन की बात% रेडियो प्रसारण में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह कुछ %बड़े परिवारों' द्वारा विदेश में शादियाँ आयोजित करने की प्रवृत्ति से परेशान थे, और लोगों से भारतीय धरती पर ऐसे समारोह आयोजित करने का आग्रह किया ताकि देश का पैसा देश से बाहर न जाये।% अब शादी का सीजन भी शुरू हो गया है। कुछ व्यापारिक संगठनों का अनुमान है कि इस शादी के सीजन में करीब 5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हो सकता है। आप सभी को शादियों की खरीदारी करते समय भारत में बने उत्पादों को ही महत्व देना चाहिए,% प्रधानमंत्री ने कहा।प्रधानमंत्री का विचार बिल्कुल सही है। हालांकि, सवाल यह है कि घरेलू मुद्रा रुपये के बदले खरीदी गई विदेशी मुद्रा की ऐसी फिजूलखर्ची पर सरकार कब तक मूकदर्शक बनी रहेगी? जिस तरह से देश के अमीर भारत के गरीब किसानों, छोटे पैमाने के निर्यातकों और विदेशों में काम करने वाले प्रवासी श्रमिकों की मेहनत की विदेशी मुद्रा को बर्बाद करने के लिए विदेशों में पैसा खर्च कर रहे हैं, वह एक तरह से पूरे देश के लिए शर्म की बात है। कुछ साल पहले ही बॉलीवुड एक्टर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने उत्तरी इटली के लेक कोमो के नजदीक एक रिसॉर्ट में शादी की थी। पिछले साल, साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने बताया था कि विदेशों में एक बड़ी भारतीय शादी के लिए वियतनाम का फुकोक अरबपति की पसंद क्यों है।

शायद, अब समय आ गया है कि धनाढ्य भारतीयों द्वारा मौज-मस्ती और मनोरंजन के लिए विदेशी खर्च पर अंकुश लगाया जाये ताकि रुपये के मूल्य को आंशिक रूप से संरक्षित किया जा सके, जिसमें तब से लगातार गिरावट देखी जा रही है जब से सरकार ने विदेशी यात्रा खर्च नियमों में भारी ढील देने का फैसला किया है। 1980 के दशक के मध्य तक, विदेश जाने वाले भारतीय पर्यटकों को अधिकतम 500 अमेरिकी डॉलर की अनुमति थी, जब एक अमेरिकी डॉलर का विनिमय मूल्य केवल आठ रुपये के आसपास था। भारत के हजारों हज यात्रियों को उनकी महीने भर की हज यात्रा के दौरान सऊदी अरब में खर्च करने के लिए प्रत्येक को 300 डॉलर दिए गये थे। उन्होंने बॉम्बे बंदरगाह से जेद्दा

तक जाने के लिए राज्य के स्वामित्व वाले मुगल लाइन जहाजों का इस्तेमाल किया। उन दिनों, अधिक कमाई करने वाले बॉलीवुड फिल्म आइकन भी खुशी-खुशी अपने विवाह समारोह घर पर आयोजित करते थे।अंधाधुंध विदेशी खर्च और घरेलू साज-सज्जा सहित विलासिता की वस्तुओं के बढ़ते आयात के कारण, इस सदी की शुरुआत से ही भारतीय मुद्रा का मूल्य नीचे की ओर बढ़ रहा है। रुपये का मूल्य लगभग हर हफ्ते या हर महीने गिर रहा है। मई 2004 में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 45.32 रुपये थी। 2014 में वर्तमान सरकार के सत्ता में आने पर यह 62.33 रुपये तक पहुंच गया। मई 2014 और अब के बीच, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का विनिमय मूल्य 21 पायदान गिरकर 83.32 रुपये पर आ गया है। भारतीयों द्वारा रुपये के बदले में विदेशी धन की अंधाधुंध फिजूलखर्ची भारतीय मुद्रा के मूल्य में निरंतर गिरावट का एकमात्र कारण नहीं है, इसके अलावा कई अन्य कारण भी हैं। फिर उन सभी को सरकार द्वारा उचित रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। परन्तु दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो रहा है। सरकार रुपये के मूल्य की रक्षा के लिए पहल की कमी कर रही है।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, भारतीयों ने अकेले दिसंबर 2022 में यात्रा पर 1137 मिलियन डॉलर खर्च किये। इससे अप्रैल और दिसंबर 2022 के बीच सीमा पार छुट्टियों पर कुल खर्च 9947 मिलियन डॉलर या लगभग 10 अरब डॉलर हो गया। ऐसे देश के लिए जहां 800 मिलियन गरीबों को हर साल सरकार द्वारा मुफ्त अनाज दिया जाता है, यह आश्चर्यजनक लग सकता है। अमीर भारतीयों द्वारा साल-दर-साल बड़े पैमाने पर सोने के आयात का मामला भी ऐसा ही है। सोने की मांग और कीमतें लगातार बढ़ रही हैं क्योंकि अमीरों का भारत की कागजी मुद्रा के मूल्य में विश्वास खो रहा है। 2022-23 में, भारतीयों ने 35 अरब का सोना आयात किया। चांदी के आयात का मूल्य 5.29 अरब था। यह उस समय था जब देश में 267 अरब का व्यापार घाटा देखा गया था। चिंता की बात है कि वार्षिक व्यापार घाटा बढ़ रहा है, और भारतीय मुद्रा के मूल्य को कमजोर कर रहा है।भारत के मेहनतकश किसानों और प्रवासी श्रमिकों की विदेशी मुद्रा आय देश के अमीरों द्वारा किये जाने वाले विदेशी खर्च का भुगतान कर रही है। 2022-23 में, भारत का कृषि निर्यात 53.2 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने पिछले साल रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भारत भेजा। विश्व बैंक के नवीनतम प्रवासन और विकास आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2022 में देश में विदेशी मुद्रा प्रेषण में 24 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की और यह रिकॉर्ड 111 अरब तक पहुंच गया। हालांकि, विश्व बैंक ने भविष्यवाणी की कि भारत 2023 में केवल 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है। जुलाई 2022 तक, भारत से 1.3 मिलियन लोग काम करने के लिए पलायन कर गये। मापी गई समय अवधि के दौरान संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब ने सबसे अधिक संख्या में भारतीय श्रमिकों की मेजबानी की।

रुपये की लगातार गिरावट में योगदान देने वाले कई कारक हैं। भारतीय अमीरों द्वारा विदेशी मुद्रा की फिजूलखर्ची उनमें से एक है। अन्य में मुद्रास्फीति, मुद्रास्फीति से असंबद्ध ब्याज दर, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भुगतान का घाटा संतुलन, उच्च विदेशी ऋण, राजकोषीय घाटा और सरकारी उधार शामिल हैं। मुद्रास्फीति, अंतर अनुमानित दरें और विदेशी विनिमय दरें सहसंबद्ध हैं। इनमें से प्रत्येक कारक दूसरे को प्रभावित कर सकता है। जबकि कम मुद्रास्फीति और उच्च ब्याज दर किसी देश में विदेशी फंड को आकर्षित कर सकती है, इसकी विनिमय दर को मजबूत कर सकती है, उच्च मुद्रास्फीति और नियंत्रित ब्याज दर स्थानीय मुद्रा के मूल्य को नीचे ला सकती है। बड़े सार्वजनिक ऋण वाले देशों की मुद्राओं की विनिमय दरों में गिरावट देखी जा सकती है क्योंकि उन्हें जोखिम भरे निवेश स्थलों के रूप में देखा जाता है।

विशेषज्ञ चालू खाता घाटा- किसी देश के खर्च और कमाई के बीच का अंतर- को सबसे महत्वपूर्ण घाटे के मापदंडों में से एक के रूप में देखते हैं। इसका मतलब है कि देश जितना कमाता है उससे ज्यादा खरीदारी पर खर्च कर रहा है। देश की निर्यात आय उसके बढ़ते आयात का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इस अंतर को पूरा करने के लिए इसे विदेश से पैसा उधार लेना होगा। विदेशी मुद्रा की उच्च मांग घरेलू मुद्रा की विनिमय दर को कम कर देती है। एक बड़ा सार्वजनिक ऋण, घरेलू या विदेशी, उच्च मुद्रास्फीति का नुस्खा है। इससे देश की मुद्रा कमजोर हो जाती है। सरकार और रिजर्व बैंक को मिलकर रुपये के मूल्य की रक्षा के लिए एक मजबूत संकल्प लेना चाहिए, भले ही इससे देश के कुछ अमीर लोगों के बीच प्राधिकरण अलोकप्रिय हो जाये।

धर्मपरिवार की महिला अध्यक्ष प्रज्ञा त्रिपाठी को मिली जिम्मेदारी,राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की सलाहकार बनने पर दी बधाईयाँ

पुष्पांजली टुडे

रीवा। नगर की 60 वर्षो से कार्यरत धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यो के लिये प्रसिद्ध संस्था हिन्दू उत्सव समिति धर्म परिवार की महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी को राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की सलाहकार मंडल की सदस्य बनाये जाने पर समूचे विंध्य क्षेत्र में हर्ष का माहौल है एवं तमाम लोगो की बधाईयों शुभकामनाओ का तॉता लगा हुआ है।ज्ञातव्य है कि पूर्व सांसद स्व0 चंद्रमणी त्रिपाठी की सुपुत्री होने के साथ श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी ने अपनी कार्य कुशलता और मृदुव्यवहार से सामाजिक, धार्मिक, रचनात्मक क्षेत्र में अपने

अभूतपूर्व योगदान एवं कार्यो से स्वयं को कुशल नेत्री के रूप में स्थापित किया है। ओजस्वी वक्ता एवं कर्मठ व्यक्तित्व की धनी श्रीमती त्रिपाठी ने सदैव सामाजिक संचेतना के लिये अपना जीवन समर्पित किया है उनका कहना है कि इंसान का जीवन तभी सार्थक है जब समाज हित में गुजारा जाये।धर्म परिवार के मार्गदर्शक डॉ0 सी.बी.शुक्ला, डॉ0 के.के. परौहा, बी.के.निर्मल, महेश ठारवानी, आजीवन संरक्षक द्वय नारायण डिगवानी, सुनील अग्रवाल, अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू, उपाध्यक्ष रामसखा यादव, सुरेन्द्र मिश्रा भितरी, महासचिव सुरेश विश्नोई, कोषाध्यक्ष प्रकाश तोमर, सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डू, नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा, उपाध्यक्ष द्वय मनीष साहू, राकेश आसवानी, महिला शाखा संरक्षक संतोषी गुप्ता, युवा शाखा अध्यक्ष सुमित मॉजवानी, संरक्षक संजय तिवारी मुन्नू, संयोजक रामकृष्ण अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेश साहू, महासचिव अंशुमान गुप्ता सहित सभी सदस्यों ने अपनी बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की है।

सुमित मांजवानी
युवा अध्यक्ष
हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार
रीवा (म0प्र0)

किसान भाई खेतों में संतुलित खाद का उपयोग करें - उप संचालक कृषि

पुष्पांजली टुडे

रीवा। उप संचालक कृषि ने किसानों को फसलों में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि किसान भाई खेतों में खाद का संतुलित उपयोग करके कम खर्चे में अधिक फसल प्राप्त कर सकते हैं। सिंचित गेंहू में प्रति हेक्टेयर 16 किलोग्राम यूरिया, 30 किलोग्राम एनपीके तथा 17 किलोग्राम एमओपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में प्रति हेक्टेयर 35 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम एसएसपी तथा 17 किलोग्राम एमओपी का भी उपयोग किया जा सकता है। किसान भाई चना में 25 किलोग्राम एमएसपी का उपयोग प्रति हेक्टेयर करें। सरसों में 16 किलोग्राम यूरिया, 44 किलोग्राम एनपीके तथा 8 किलोग्राम एमओपी का उपयोग प्रति हेक्टेयर करें। इसके विकल्प के रूप में प्रति हेक्टेयर यूरिया 40 किलोग्राम, एसएसपी 38 किलोग्राम तथा एमएसपी 33 किलोग्राम का उपयोग भी किया जा सकता है। उप संचालक कृषि ने कहा है कि इन विकल्पों के प्रयोग से कृषकों को उर्वरक उपलब्धता के अनुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग करने से सहायता मिलेगी।

जिले में 15816 टन यूरिया तथा 1748 टन डीएपी है उपलब्ध,खाद के अधिक दाम मांगे तो मोबाइल नम्बर पर दें सूचना - उप संचालक कृषि

पुष्पांजली टुडे

रीवा। किसानों के लिए खाद की समुचित व्यवस्था की गयी है। रीवा जिले में सहकारी समिति विपणन संघ तथा निजी विक्रेताओं के पास 8 दिसम्बर की स्थिति में 15816 टन यूरिया तथा 1748.70 टन डीएपी खाद उपलब्ध है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि जिले के किसान खाद की आपूर्ति के लिए चिंतित न हो। खाद की नियमित आपूर्ति जारी है। किसानों को अगले एक सप्ताह जितनी खाद की जरूरत उसी की खरीद करें। उप संचालक ने बताया कि अब तक किसानों को 14509 टन यूरिया तथा 10173.50 टन डीएपी का वितरण किया जा चुका है। सिंगल तथा डबल लाक से प्रतिदिन खाद वितरित की जा रही है। जिस केन्द्र में अधिक संख्या में किसान खाद लेने पहुंच रहे हैं वहां अधिकारियों की निगरानी में टोकन देकर खाद का वितरण किया जा रहा है। वर्तमान में मार्कफेड, सहकारी समिति तथा निजी विक्रेताओं के पास खाद उपलब्ध है। अब तक जिले में 3198.80 टन एनपीके, 36.45 टन म्यूरेट आफ पोटाश तथा 968.45 टन सिंगल सुपर फास्फेट वितरित की जा चुकी है। डीएपी तथा यूरिया खाद के रैक नियमित रूप से प्राप्त हो रहे हैं।

गुढ विधायक नागेन्द्र सिंह को मंत्री बनाए जाने को लेकर क्षेत्रीय लोगों द्वारा उठने लगी मांग

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिलेभर में जिस तरह भारतीय जनता पार्टी ने विंध्य प्रदेश में आठ विधानसभा सीट मे से सात विधानसभा सीट मे जीत का परचम लहराया है तो दूसरी ओर गुढ विधानसभा सीट से लगातार पांचवीं बार विजय हासिल करने वाले गुढ क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री नागेन्द्र सिंह को इस बार मंत्रिमंडल में जगह देने को लेकर गुढ क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और क्षेत्र की जनता ने माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान से मंत्री बनाए जाने की मांग उठाई है वहीं स्थानीय लोगों में से अशोक जायसवाल, सनत शुक्ला, पुष्पेंद्र जयसवाल,रोहित द्विवेदी, रामायण प्रसाद अग्निहोत्री, अरुण सिंह, विशंभर पटेल, कपूरचंद सोनी सच्चिदानंद शर्मा, सुरेश नामदेव, संतोष नामदेव, लवकुश शुक्ला, ज्ञानेंद्र नामदेव, सौखीलाल केवट, रोशनलाल केवट, कैलाश शर्मा, सहित कई गांव के स्थानीय लोगों ने कहा है कि विंध्य क्षेत्र से श्री नागेन्द्र सिंह वरिष्ठ विधायकों में से एक है और लगातार पांचवीं बार विजय हासिल कर चुनाव जीतते आए हुए हैं और गुढ विधानसभा क्षेत्र का विकास कार्य तेजी के साथ हुआ है वह अपने आप में अद्भुत है इसलिए उन्हें मंत्रीमंडल में जगह देना उचित है

बिना परमिट फिटनेस के एक यात्री बस जप्त

पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा कमिश्नर के द्वारा समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में रीवा परिवहन विभाग द्वारा यात्री वाहनों एवं स्कूल वाहनों के विरुद्ध लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है।आरटीओ रीवा के निर्देशन में परिवहन सुरक्षा स्क्वाड द्वारा आज चलाए गए चेकिंग अभियान में सीधी से रीवा वाया रामपुर मार्ग पर गड्डी पहाड़ के समीप एक बस जिसका पंजीयन क्रमांक एमपी 17 पी 0866 है, यात्रियों का परिवहन करती हुई सीधी की ओर से रीवा की तरफ आ रही थी, जिसे परिवहन सुरक्षा स्क्वाड द्वारा रोक कर चेक किया

गया तो बस का कोई भी दस्तावेज साथ में मौजूद नहीं पाया गया।बस को जप्त कर परिवहन कार्यालय रीवा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। इसके अलावा रास्ते पर दो स्कूलों को भी रोककर उनकी जांच की गई जांच में दोनो बसों के दस्तावेज बैध पाएं गए। परिवहन विभाग द्वारा आज की चालानी कार्रवाई से 32000 रूपये का राजस्व अर्जित किया गया है।जाँच अभियान लगातार जारी रहेगा।

विधायक कुंवर सिंह की चौथी जीत सेवा और सुशासन की जीत - पवन मिश्रा

सीधी। भारतीय जनता पार्टी के धौहनी विधानसभा क्षेत्र से लगातर चौथी बार विधायक निर्वाचित होने पर मझौली महाविद्यालय के जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष पवन मिश्रा ने कहा कि विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने अपनी चौथी पारी में लगातर जनता के बीच भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने एवं गरीबों तक पहुंचाने में जनता के सुख दुःख में सामिल रहें। धौहनी विधानसभा में शिक्षा

स्वास्थ व्यवस्था को जन जन तक लाभ दिलाया गया। गरीब युवा किसान मजदूर महिलाएं ब'चे सभी भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया कुंवर सिंह टेकाम ने सभी क्षेत्र में अभूतपूर्व विकाश किए। गौड़ सिंचाई परियोजना लगभग बारह सौ अरब की है। जो कि किसानों के लिए बड़ी वरदान साबित हुई। मड़वास में तहसील, नवीन महाविद्यालय, थाना की महत्त्वपूर्ण सौगाते दिलवाने में अहम भूमिका निभाई गई साथ ही सड़क बिजली पानी की व्यवस्था बनाने में विधायक कुंवर सिंह टेकाम का अहम योगदान है।

निजी अस्पतालों में सेवा दे रहे सरकारी चिकित्सक, सांसो का सौदा कर लूट रहें मरीजों को

मरीजो में एनेस्थीसिया डॉक्टर के प्रति बढ़ रहा आक्रोश

सीधी। जिला अस्पताल की हालत लगातार बेपटरी होती जा रही है। इसमें सुधार लाने की दिशा में कई बार प्रयास किये गयें किन्तु कुछ दिन के लिये सब सामान्य होता है, उसके बाद फिर बेहतर स्वास्थ्य के नाम पर गोरख धंधा होने लगता है। ग्रामींण अंचल से आने वाले मरीजों को योजनावद्ध तरीके से लूटने खसोटने का काम किया जाता है। सबसे से खास बात तो यह कि यहॉ मरीज की हालात गंभीर बता कर पहले रेफर किया जाता है फिर यही चिकित्सक निजी अस्पताल में इसी मरीज से पैसे लेकर उपचार कार्य को अंजाम देते हैं। निःशुल्क मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधा की जगह पर इन्हे मोटी रकम चुकानी पड़ती है। इसके लिये इन्हे कई बार घर के गहने तक गिरवी रखने पड़ते हैं, तो कई बार सूदखोरों से रकम उधार लेकर इनके चक्रव्यूह में फॅस जाते है। आपको बताते चलें कि जिला अस्पताल में मरीजो का दिन तो किसी कदर बीत जाता है रात के समय सबसे 'यादा दिक्कत होती है। जब दर्द पीड़ा से कराहते मरीज डाक्टर के न होने पर पर केवल भगवान को याद कर रात बिताते हैं। प्रसव पीड़ा वेदना सहने वाली मातृ शक्तियों की माने तो जिला अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ की रात्रि कालीन ड्युटी बदलती रहती है किन्तु ये 'यादातर रात के समय अपने कार्य अवधि में भी अपने घरो पर आराम करती है। वहीं स्थिती गंभीर होते ही स्टाफ नर्स द्वारा ड्युटी डाक्टर को बुलाने की जगह रीवा रेफर का कागज बना दिया जाता है। मरीजो के परिजनो के द्वारा लगाये जाने वाले आरोपो के आधार पर बताया गया कि जिला अस्पता में एनेस्थीसिया डॉक्टर की कमी है। जिसके चलते यहॉ पदस्थ डॉक्टर मजबूरी का भरपूर फायदा उठाते हैं और रात्रि कालीन ऑपरेशन करने से सीधे तौर पर मना कर देते हैं। यहीं से सांठ गांठ का असली खेल प्रारंभ होता है और फिर मरीज की जान को खतरा बता कर, यही एनेस्थीसिया डॉक्टर कलेक्ट्रेट चौक के समीप संचालित निजी अस्पताल में मोटी रकम लेकर ऑपरेशन करते हैं।

सरकारी डॉक्टरो के दम पर चल रहा निजी अस्पताल - जले में इन दिनो दवा कंपनियों के तथाकथित दलाल और निजी अस्पतालों का मेडिसिन माफिया पूरे पूरे जिले के महौल को बर्बाद कर रहा है। 10 रुपये की लागत वाली टेबलेट100 रुपये में बेची जा रही है। 50 रुपये लागत वाला मिल्क पाउडर ×00 रुपए में। निजी हॉस्पिटल में भी सरकारी डॉक्टर सेवा देते हैं। मोटी फीस जाँच दवा सबमे मनमानी लूट हो रही ह

पशु चिकित्सालय में उपचार एवं आश्रय का अभाव, मद का हो रहा दुरुपयोग

सीधी गौ वंश वर्तमान समय में संक्रमण काल के दौर से गुजर रहा है उक्त संबंध में अधिवक्ता गौ वंश प्रेमी उदय कमल मिश्र ने कहा की सरकार की असफल नितियों एवं गौ पालकों की असंवेदनशीलता के कारण गौ वंश दर दर की ठोकरें खां रहें हैं। गौ पालकों ने गौ वंश को नीजी गौ शालाओं से बाहर कर दिया है, जिसका परिणाम है कि गौ वंश भूख प्यास के अभाव में तड़प रहें हैं।गौ वंश की सबसे दयनीय स्थिति तब होती है जब घायल अवस्था में भूख, प्यास, आश्रय एवं उपचार के अभाव में तड़प तड़प कर मर जाते हैं। गौ वंश को घायल अवस्था में यदि गौ वंश प्रेमियों के द्वारा जिला पशु चिकित्सालय में उपचार के लिए लाया जाता है तो पशु चिकित्सक एवं कर्मचारियों के द्वारा घायल गौ वंश का उपचार करने के बजाय गौ वंश प्रेमियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। जिला पशु चिकित्सालय में घायल गौ वंश के उपचार, आश्रय एवं भोजन की कोई व्यवस्था नहीं है। जबकि जिला पशु चिकित्सालय में रोगी कल्याण मद से घायल गौ वंश के लिए उपचार एवं भरण.पोषण की व्यवस्था की जा सकती है। घायल गौ वंश के अतिरिक्त गर्भवती गौ माताओं एवं नवजात गौ वंश की सबसे अधिक स्थिति खराब है। गर्भवती गौ माताओं को खुलें में असुरक्षित जगह में ब'चे को जन्म देना पड़ता है, जिसके कारण नवजात गौ वंश कुत्ते के शिकार हो जाते हैं। गौ पालक इतने असंवेदनशील हो गयें है कि दूध की लालच में नवजात गौ वंश को एक माह के अंदर ही गौ माता से दूर कर दिया जाता है। जिस कारण नवजात गौ वंश भूख प्यास से या कुत्ते के शिकार होकर दम तोड़ रहे हैं।जिला प्रशासन भी गौ वंश के पुनर्वास के प्रति पूरी तरह से असंवेदनशील है उन्हें गौ वंश की वर्तमान समय की समस्या के समाधान में कोई रूचि नहीं है गौ वंश प्रेमियों के द्वारा यदि जिला प्रशासन से गौ वंश की वर्तमान स्थिति के संबंध कोई समाधान करने के लिए अनुरोध किया जाता है तो निराशा के अतिरिक्त कुछ हाथ नहीं लगता। इस भीषण ठंड एवं वारिस में वेसहारा गौ वंशों को किसानों के द्वारा अवैधानिक बाड़ा बनाकर खुलें आसमान के नीचे भूखों मरने के लिए मजबूर किया जा रहा है, गौ वंश प्रेमियों के द्वारा अवैधानिक बाड़ा बनाकर गौ वंश को रखने वाले किसानों के विरुद्ध शिकायत करने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जाती जिससे अवैधानिक बाड़ा बनाकर रखने वाले किसानों का मनोबल बढ़ रहा है। जहां तक शासन द्वारा संचालित गौ शालाओं की बात है वहां कि स्थिति बद से बदतर है, गौ वंश, गौ शालाओं की चारदीवारी के अंदर भोजन पानी एवं उपचार के अभाव में दम तोड़ रहे हैं गौ शालाओं के संचालकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मिली भगत से गौ शालाओं में कैद, गौ वंश के रखरखाव में घोर अनियमितता की जा रही है।गौ वंश जहां भोजन की तलाश में दर दर की ठोकरें खां रहें हैं वहीं पर लंपी के बाद गोखुर की बीमारी से पीड़ित हैं लेकिन गोखुर बीमारी से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा कोई व्यापक अभियान नहीं चलाया जा रहा है। सरकार गौ वंश के पुनर्वास के लिए गौ शालाओं के निर्माण का प्रयास कर रही है लेकिन गौ शालाएंए गौ वंश के पुनर्वास में असफल है ऐसी स्थिति में सरकार को इंसानी बस्ती के समीप गौ अभ्यारण्य का निर्माण कराने की आवश्यकता है जहां पर भोजन पानी एवं आश्रय की व्यवस्था हो। गौ वंश को इंसानों के नजदीक रखा जा सकता है इन्हें जंगली जानवरों की तरह जंगल में रहने की प्रवृत्ति नहीं है। गौ वंश के वेसहारा रहने की स्थिति में किसानों को अपनी फसल की रक्षा करना सबसे बड़ी चुनौती है, किसान महंगे खाद बीज खरीदकर फसल तैयार करने का प्रयास करता है लेकिन वेसहारा गो वंश अपनी भूख मिटाने के लिए के फसल को खां रहे हैं।

वन परिक्षेत्र खड़गवां में छाया जंगली हाथी का आलम, तोड़े घर, धान फसलों का भी हुआ नुकसान? मौके पर देर से पहुंचा वन अमला, ग्रामीणों ने भगाया हाथी, बताया फुनगा के ग्रामीणों ने

खड़गवां। वन परिक्षेत्र खड़गवां में हाथियों का आतंक निरंतर जारी है, जहां ग्राम फुनगा के ग्रामीणों के बताए अनुसार एक हाथी जो करीब एक हफ्ते से ग्राम फुनगा के आस पास के क्षेत्रों में विचरण कर रहा है, बीते शाम लगभग पांच बजे के करीब ग्राम फुनगा में इस हाथी ने बड़ा आतंक मचाया, ग्रामीणों ने बताया कि हाथी बीती शाम दिन गुरूवार को ग्राम पंचायत फुनगा के सरपंच के निवास के इर्द गिर्द भटक रहा था और वहीं के एक किसान के घर में हाथी जा घुसा और तोड़ फोड़ मचाया, ग्रामीणों ने बताया कि हाथी ने उक्त किसान राम रतन के घर को तोड़ा पलंग को तोड़ा, बाड़ी में बोए गए सब्जी एवं अन्य खाद्य पौधों को नष्ट किया, घर के भीतर रखे धान को भी खाया और इस पास जमकर उत्पात मचाया, जिसके बाद क्षेत्र में हाथी के इस तरह नुकसान पहुंचाने की खबर वहीं के सरपंच पति जयकरण सिंह मरावी ने वन विभाग को दी और वन विभाग के कर्मचारियों को सुचित किया, मगर वहां के ग्रामीणों द्वारा वन विभाग खड़गवां पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि ग्रामीणों द्वारा सूचना देने के बावजूद वन अमले को मौके पर पहुंचने के लिए करीब डेढ़ से दो घंटे विलंब हुआ, जिस दौरान वहां के ग्रामीणों ने हल्ला बोल मचाते हुए हाथी को जंगल की तरफ़ खदेड़ दिया। वहां के ग्रामीणों का यह भी कहना है कि जब वन अमला वहां पहुंचा जहां डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड नज़र आए मगर इस खबर को लिखने तक और कोई उच्च पदाधिकारी या रेंजर वहां नज़र नहीं आए, और तो और वन विभाग की जो टीम वहां लोगों के सहयोग और हाथी पर नज़र बनाने के लिए वहां पहुंची थी मगर वन विभाग की टीम द्वारा लोगों के साथ गलत लहजे और रवैया से पेश आया गया जिसका लोगों ने विरोध भी किया और वन विभाग खड़गवां के उच्च पदाधिकारी एवं टीम के विरूद्ध कार्यवाही की बात को भी कहा।एक तरफ़ वन परिक्षेत्र खड़गवां के रेंजर जहां पत्रकारों को जब से पदस्थ हुए हैं बाईट देने से कतराते नज़र आते हैं और जानकारी मांगने पर अपने उच्च अधिकारियों से पत्रकारों को मुलाकात कर बाईट एवं वर्ज़न लेने की बात कहती हैं जिनका यह भी कहना है कि वन विभाग खड़गवां की रेंजर दिन रात ऑन ड्यूटी रहती हैं और ज़्यादा समय फील्ड में ही देती हैं मगर इनके कथनी को वहां ग्रामीणों ने ग़लत करार देते हुए कहा कि वन विभाग का काम है दल बल के साथ हाथियों को खदेड़ना, जिस काम के लिए इन्हें नियुक्त किया गया है वो काम कहीं ना कहीं बाध्य हो कर वहां के स्थानीय को करना पड़ रहा है।इस पूरे मामले में यदि वन परिक्षेत्र अधिकारी खड़गवां एवं पूरे विभाग पर जो सारे आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाए जा रहे हैं यदि उनमें सत्यता नहीं है? फिर क्यों वन परिक्षेत्र अधिकारी खड़गवां पत्रकारों के सवालों से कभी भागते तो कभी पत्रकारों से मुंह मोड़ते फिरते हैं, उनकी निष्क्रियता का आलम वन परिक्षेत्र कार्यालय में इस क़दर भारी है कि कभी कभी रेंजर इस बात का हवाला देते नज़र आते हैं कि वे फील्ड में व्यस्त होने तो कभी ड्यूटी ड्रेस यूनिफार्म में ना होने की वजह से बाईट ना देने का बहाना देते नज़र आती हैं,

कार्यकर्ता रात भर करते रहे इन्तेजार,24 घण्टे बाद दबोह पहुँचा विधायक अम्बरीश शर्मा का काफिला

35 साल बाद लहार में खिला कमल,भाजपा विधायक का हुआ ऐतिहासिक स्वागत

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह- भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित विधायक अम्बरीष शर्मा का दबोह पहुंचने पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया।विधायक बनने के बाद पहली बार दबोह पहुचे भारतीय जनता पार्टी के विधायक अम्बरीष शर्मा(गुड्डू भैया)को दबोह की जनता ने सर आखों पर बिठाया उनके स्वागत के लिए हजारों लोग हाथों में माला लेकर निकल आये और अपने प्रिय नेता को माला पहनाने के लिए लोगो मे एक हो? सी लग गई।नगर में तीन किलो मीटर पैदल चल कर हर किसी व्यक्ति तक पहुंच कर उनका स्वागत सत्कार स्वीकार किया।नगर में उनके स्वागत के लिए जगह,जगह स्वागत द्वार बनाये गए थे।जिसमे से कई जगह लड्डूओ से,फलो से तुलादान किया गया तो कहीं उनका स्वागत कर मिठाई वितरण की गई।वहीं विधायक गुड्डू शर्मा के स्वागत के लिए नगर में महिलाएं भी पीछे नही हटीं और उन्होंने आगे आकर अपने भैया का तिलक लगाकर आरती उतारी तो उन्होंने भी बहिनों के पैर छू कर उनका आशीर्वाद लिया।नगर में करीब एक दर्जन जगहों पर तुलादान किया गया।जैसे ही उनका काफिला नगर में प्रवेश किया वैसे ही गुड्डू भैया जिंदाबाद,भाजपा जिंदाबाद के नारों से पूरा नगर भाजपमय हो गया।हर कोई अपने प्रिय नेता की झलक देखने के लिए बेताव नजर आया।बता दे कि लहार विधानसभा पर 35 सालों से काग्रेस का कब्जा था।

24 घण्टे तक कार्यकर्ता करते रहे इंतेजार तब जाकर दबोह पहुंचा काफिला-35 साल बाद लहार में कमल खिला है।जिसके चलते प्रथम आगमन का कार्यक्रम भिण्ड से गुरुवार सुबह 9 बजे शुरू हुआ और विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण करते करते यह काफिला शुक्रवार सुबह 09 बजे दबोह नगर में प्रवेश किया।रात भर विधायक के स्वागत के लिए जनता,कार्यकर्ता जगह जगह नजर आए।भाजपा मई लहार होने के बाद दबोह में रातभर इन्तेजार कर रहे कार्यकर्ता कहीं तो सर्दी के चलते अलाव जलाते नजर आए तो कहीं पंडाल के नीचे ही आराम कर अपने नेता का इन्तेजार करते नजर आए पर उनके स्वागत करने की आस न टूटी।यहां बता दें कि 35 साल के बाद लहार में भाजपा का विधायक बनने के बाद लहार विधानसभा में कमल खिला है।जिसके चलते कार्यकर्ताओ और आम जनता में भारी जोश देखने को मिला है।

स्वागत के दौरान दबोह में जनता ने की अम्बरीश शर्मा को मंत्री बनाने की मांग-अम्बरीश शर्मा के प्रथम आगमन पर स्वागत के दौरान दबोह में कार्यकर्ताओं और दबोह की जनता ने अम्बरीश शर्मा को मंत्री

बनाकर लहार भेजने की मांग वरिष्ठ नेतृत्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से की है।कार्यकर्ताओ का कहना है कि अम्बरीश शर्मा ने लहार में कॉग्रेस के 35 साल के कुशासन को खत्म किया है जिससे उन्हें मंत्री बनाकर लहार भेजने की मांग की है।

अम्बरीश शर्मा के साथ यह नेता रहे मौजूद-स्वागत कार्यक्रम के दौरान उनके साथ भाजपा नेता राजेन्द्र गुर्जर,अंजनी कुरचानियाँ,परमाल गुर्जर,राममोहन मुद्गल,शिब्बीर गोस्वामी,लालता कुशवाह,अरविंद गुप्ता,राव साहब गुर्जर,रविंद्र शर्मा,हरिश्चंद्र पाण्डेय,अर्पित गुप्ता,नरेंद्र मिश्रा,राजकुमार कौरव कसल,शशांक बुधौलिया समेत तमाम भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जींद के प्रसिद्ध समाज सेवायों को किया सम्मानित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

हरियाणा। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के तत्व अवधान में सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जींद के प्रांगण में 41 समाजसेवियों को सम्मानित किया गया जिसमें विशेष कर उन लोगों को सम्मानित के लिए चयनित किया गया जिनके वास्तव में शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में एक समाज के लिए विशेष उपलब्धि रही है हम सब जानते हैं की प्रदूषण विशाल स्तर पर बढ़ता जा रहा है और इसके लिए काम करना प्रत्येक व्यक्ति को जीवन दान देने के बराबर है इसमें परिषद के जिला अध्यक्ष श्रीकृष्ण दहीया ने बताया कि इसमें अंतर्राष्ट्रीय योगाचार्यजोरा सिंह आर्य, दलबीर सिंह रेढू ,डॉ वीरेंद्र कुमार ,डॉ भावना, डॉ जयपाल सिंह राजपूत, डॉ (श्रीमती) हिमांशु गर्ग, जितेंद्र सिंह,डॉ प्रीति देवी, शरत अत्री, सुनील राज बामनिया, शमशेर ढाण्डा, सरोज देवी, योगिता भारद्वाज, किरण शर्मा, रमेश ढिल्लों, ओमप्रकाश मलिक, राजेंद्र इंदौरा,राजेंद्र सैनी, जयकुमार पवार, विनोद जोशी, नरेश माथुर, संजू आर्या, प्रदीप रेढ़ू, पवन शर्मा, समाजसेवीलाजपत राय सिंगल कैथल, वजीर ढाण्डा , कृष्ण सुदामा चैरिटी फाउंडेशन, चंद्र प्रकाश मलिक,विनोद शर्मा,केवल सिंह, मंगल सिंह गिल, दया कौशिक सम्मानित करने की सूची में शामिल है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे जगदीश गोयत ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों से समाज के लोगों का मानसिक उत्थान होता है।इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए ताकि समाज सेवी लोगों का मान सम्मान बढता रहे और मनोबल बढ़ता रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीव जैन पूर्व मुख्यमंत्री सलाहकार हरियाणा सरकार ने करते हुए अपने वक्तव्य में बताया की रक्तदाताओं को सम्मानित करना समाज के लिए बहुत लाभकारी है इस कार्यक्रम में विशेष कर रक्तदाता और पर्यावरण मित्र लोगों को सम्मानित करके केंद्रीय आर्य युवक परिषद की भूरी-भूरी प्रशंसा की और यह कहा कि जब भी आपको आवश्यकता हो आप मुझे बुलाना मैं अवश्य ही निमंत्रण पर पहुंच जाऊंगा और जो भी सहायता कहोगे सहायता करूंगा, केंद्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र भाई जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुझे बड़ी प्रसन्नता है की जींद के लोग बढ़ चढ़कर समाज में पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करते हैं इसमें चार राष्ट्रीय अवार्ड सुभाष ढिगाना, सुरेंद्र नैन, अजय शर्मा तथा समाजसेवीलाजपत राय सिंगल कैथलविशेष तौर पर पहुंचे।केंद्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा ने इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचकर अपने वक्तव्य में कहा की आर्य समाज ने देश की स्वतंत्रता में सर्वाधिक बलिदान दिया आर्य समाज ने देश और विदेशों में संस्कार दिए और वास्तव में आर्य समाज ने ही देश को वह संस्कृति का पुनरुत्थान किया। अंत में सूर्य देव आर्य ने कार्यक्रम का समापन करते हुए कहा कि हम महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्मदिवस पर भी एक विशाल स्तर पर कार्यक्रम करेंगे।

नव निर्वाचित विधायक केशव देशाई ने नगर में धन्यवाद रैली के माध्यम से किया जन संपर्क

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

गोहद- गोहद विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 13 से नव निर्वाचित विधायक केशव देशाई ने नगर आगमन पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को जन विजय आशीर्वाद यात्रा एवं धन्यवाद रैली निकाली। इस दौरान निर्वाचित विधायक ने मतदाताओं का आभार व्यक्त किया इस दौरान नागरिकों ने उनका शाल, श्रीफल और पुष्प माला से जगह-जगह स्वागत किया धन्यवाद रैली एवं जन विजय आशीर्वाद यात्रा गोलंबर अटल चौराहे से प्रारंभ हुई जो नगर के प्रमुख मार्ग गंज बाजार,भानु की घटिया,सती बाजार,पुराना बस स्टैंड पहुची जहां महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजली अर्पित कर सदर बाजार इटायली गेट नया बस स्टैंड पहुंची जहां फलों से तोला गया इसके पश्चात नया बस स्टैंड,ऐंचाया रोड मौ रोड होते हुए गोलंबर अटल चौराहे पर जाकर समापन हुआ यात्रा के दौरान नव निर्वाचित विधायक केशव देसाई ने मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि, मैं विधायक नहीं सेवक बन कर गोहद की सेवा करूंगा विजययात्रा के दौरान नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विजय घोष के नारे लगाए। इस दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। नव निर्वाचित विधायक जीत के बाद से लगातार विधानसभा के गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से आशीर्वाद ले रहे हैं, और धार्मिक स्थल पर पहुंचकर भी आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं

पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह का जीत के बाद नगर आगमन पर हुआ जोर दार स्वागत

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी– शिवपुरी जिले की पाच विधान सभा मैं से कांग्रेस एक ही विधान सभा जीत पाई हैं लेकिन जो जीत कांग्रेस के पोहरी विधानसभा मैं ली हैं वह बहुत ही ऐतहासिक जीतो मैं गिनी जाने बाली हैं जिसका कारण भाजपा प्रत्याशी ओर राज्य मंत्री सुरेश धाकड़ को कांग्रेस प्रत्याशी कैलाश कुशवाह ने लगभग पचास हजार वोट से हरा कर करारी शिकस्त दी हैं जीत के बाद पहली पोहरी विधानसभा पहुचे विधायक कैलाश कुशवाह का विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बहुत बेसब्री से इंतजार था और जैसे ही होने का परिवहन सेवा क्षेत्र में आगमन हुआ तो क्षेत्र के लोगों ने उनका बड़ा ही जोरदार स्वागत किया पोहरी विधानसभा के ग्राम अहीर मरोरा से लेकर पिपरघार से पोहरी नगर में और वहां से बैराड़ के ओर जाते हुए हर गांव मैं विधानसभा क्षेत्र के लोगो ने अपने नव निर्वाचित विधायक का जोर शोर से स्वागत किया और जगह जगह पर सेव,केला,अमरूद,लड्डू,ओर अनन्य मिठाईयों से तौल कर मिठाई ग्रामीणों मैं बाटी इसके बाद बैराड़ नगर मैं पहुचते ही नव निर्वाचित विधायक ने बैराड़ में रोड शो कर बैराड़ की जनता का भी आशीर्वाद लिया और बैराड़ नगर साथ साथ पूरी विधानसभा की जनता ने अपने विधायक को भरपूर आशीर्वाद प्रदान किया ।

चाँचौड़ा न्यायालय में लोक अदालत का आयोजन

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुना की ओर से जिला एवं सत्र न्यायालय चाँचौ?ा में शनिवार को राष्टीय लोक अदालत का बीवी आयोजन किया गया। विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्यायालय में आयोजित नेशनल लोक अदालत में चाँचौड़ा न्यायालय में शनिवार को लोक अदालत का शुभारंभ मां सरस्वती और राष्टपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया गया,प्रधान जिला न्यायाधीश वीरेंद्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में जिला सत्र न्यायाधीश श्री हेमंत कुमार अग्रवाल ,न्यायाधीश गण श्री भरत सिंह कनेल,श्रीमति आकांक्षा कत्याल,सुश्री अंजना यादव,सुश्री चेतना दशोरा सहित संघ के सदस्य श्री अजय कुमार जैन, श्री जयराज सिंह खींची,प्रदीप कुमार शर्मा अभिभाषक संघ चाँचौड़ा सचिव रंजीत सिंह गौर,सहसचिव दिनेश बैरागी सहित न्यायालय के कर्मचारी नगरपालिका,विद्युत विभाग, बैंक आदि कें कर्मचारी उपस्थित रहे।लोक अदालत में कई प्रकरणो का निराकरण आपसी सुलह से कराया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा ,कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिन्हित जिलों के हितग्राहियों से संवाद किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी में प्रसारित किया गया। कार्यक्रम को कृषकों, कृषि छात्रों के साथ-साथ जन सामान्य ने देखा और सुना।कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.पुनीत कुमार के निर्देशन में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.एम.के.भार्गव, वैज्ञानिक डॉ.पुष्पेंद्र सिंह, डॉ.ए.एल.बसेड़िया, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी योगेश चंद्र रिखाड़ी डॉ.नीरज कुशवाहा, अनुसंधान अधेयता विजय प्रताप सिंह, कार्यालय अधीक्षक सत्येंद्र गुप्ता के साथ-साथ अन्य स्टाफ की भी सहभागिता रही।

सीरवी समाज शमशाबाद की विशेष बैठक आयोजित

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

हैदराबाद । अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना के तत्वावधान में शिक्षा को ब?ावा देने के लिये विशेष मीटिंग का आयोजन रखा गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कानाराम चोयल आईएएस राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निर्देशक एवं विनोद कुमार काग आईआरएस डिप्टी डायरेक्टर उदयपुर तथा हरीसिंह राठौ? वैज्ञानिक डी. आर. डी. ओ. हैदराबाद ने अपने विचारों से समाज मे शिक्षा के क्षेत्र में नई ताकत डाली उसको समाज बंधुओं ने अपने फोनो को साइलेंट मो? में रखकर दिल व दिमाग से सुना व समझा इसके परिणाम स्वरूप सीरवी समाज शमशाबाद बडेर के भामाशाहों ने सबसे पहले पहल करते हुए पाली में छात्रावास के लिए एक कमरे की घोषणा की तथा राजस्थान की राजधानी जयपुर में समाज के प्रतिभाशाली छात्र एवं छात्राओं के लिए चलाए जा रही आईएएस एवं आरएस कोचिंग सेंटर एवं उनके रहने के लिए छात्रावास जो अभी तक किराए पर चल रहा है उनकी व्यवस्था के लिए 1 साल के खर्च का वहन(छात्रो के लिए) की घोषणा अखिल भारतीय सीरवी युवा संगठन के भामाशाहों केसाराम सोलंकी, भंवरलाल गेहलोत, गोविंद पंवार, मोहनलाल सैणचा , प्रकाश चोयल, जगदीश पंवार, रताराम सोलंकी ने की तथा छात्राओ के लिए मानिकोंडा बडेर के अध्यक्ष एवं भामाशाह बाबूलाल भायल ने की साथ ही सीरवी समाज शमशाबाद के महिला मंडल के भामाशाहों ने 2,11,000 देने की घोषणा की इस मिटिंग का सफल आयोजन सीरवी समाज बडेर शमसाबाद द्वारा रखा गया जिसमें समाज अध्यक्ष आशाराम गेहलोत , उपाध्यक्ष चेलाराम काग,सचिव भोलाराम पंवार, सहसचिव नरेश परिहार, कोषाध्यक्ष राजूराम परिहार, सहकोषाध्यक्ष सोहनलाल मुलेवा,शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष भेराराम परिहारिया , मांगीलाल सोलंकी,सचिव भीकाराम काग, कोषाध्यक्ष रमेश पंवार, खेल मंत्री पुखराज पंवार, मीडिया प्रभारी हेमंत काग समाज के सलाहकार भूराराम परिहार, हरीराम परिहारिया, रतनलाल बर्फा , जगदीश काग, चम्पालाल सैणचा कार्यकारिणी समिति के सदस्य रमेश चोयल, रमेश हाम्बड, सोहनलाल बर्फा शिक्षा समिति सदस्य टुवाराम हाम्बड महिला मंडल के उपाध्यक्ष संतोष देवी परिहार, गंगा देवी काग सचिव भारती परिहारिया,कमलादेवी पंवार ,उषादेवी लचेटा व अन्य महिलाओं व कार्यकारणी समिति , शिक्षा समिति एवं महिला मंडल समिति के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मीटिंग में अखिल भारतीय महासभा तेलंगाना के अध्यक्ष हरजीराम काग सचिव सोहनलाल हाम्मड सह सचिव गिरधारी लाल काग एवं हैदराबाद में स्थित विभिन्न बडेरो के प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसमें पारसीगुट्टा बडेर से शिक्षा समिति के अध्यक्ष परशराम बर्फा, सचिव सज्जन राज सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष भूराराम चोयल, जसराज सोलंकी, पूर्व कोषाध्यक्ष लाबूराम पंवार जिडीमेटला बडेर से अध्यक्ष मांगीलाल काग, सचिव नारायण लाल बर्फा, संगारेड्डी बडेर से सुरेश परिहारिया व किशनलाल काग, कोरूमला बडेर से सचिव डायाराम लचेटा अलमासगुड़ा बडेर से मगाराम परिहार एवं नेमाराम काग मल्लापुर बडेर से ओंकार लाल हाम्मड, दुर्गाराम परिहार एवं सचिव तुलसाराम सिन्दडा गजवेल बडेर से अध्यक्ष माणक लाल काग व नेतीराम सैणचा जनगांव बडेर से अध्यक्ष किशनलाल हाम्बड व लादूराम काग बालाजी नगर बडेर से मांगीलाल काग एवं गौतम पंवार मनीकोंडा से अध्यक्ष बाबूलाल भायल, भीकाराम परिहारिया शादनगर से अध्यक्ष कैलाश जी बर्फा सचिव शिवलाल सोलंकी ने भाग लिया समाज के सभी स्वजातीय बन्धुओं एवं गणमान्य अतिथियों ने भावपूर्वक भोजन प्रसाद का आनंद उठाया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन सीरवी समाज शमशाबाद के शिक्षा समिति के सचिव भीकाराम काग ने अपनी ओजस्वी वाणी में किया। ये जानकारी सीरवी समाज शमशाबाद के मीडिया प्रभारी हेमन्त काग ने दी

प्रदेशव्यापी सूर्य नमस्कार महाअभियान के तहत भाटसन प्राथमिक विद्यालय में तैयारी शुरू

ब्यूरो रीपोर्ट दैनिक पुष्पांजली टुडे
पाटन/गुजरात। सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन गुजरात राज्य योग बोर्ड (खेल, युवा और सांस्कृतिक प्रवृत्ति विभाग) द्वारा किया गया है। सूर्य नमस्कार महाअभियान में 2 करोड़ से अधिक के पुरस्कार दिए जाएंगे और गुजरात में राज्यव्यापी सूर्य नमस्कार महाअभियान आयोजित किया जाएगा, 6 से 15 दिसंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण किया जाएगा, 19 दिसंबर से 30 दिसंबर तक गांव/विद्यालय स्तर से राज्य स्तरीय सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता राज्य भर में 20300 से अधिक स्थानों पर आयोजित की जाएगी, जिसके तहत योग प्रशिक्षक श्री कामिनाबेन सचिनभाई पटेल ने बच्चों को सिखाया कि सूर्य नमस्कार कैसे करें और 2023-24 में भाग लेने के लिए उनकी तैयारी के हिस्से के रूप में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। पाटन जिले के सरस्वती तालुका के भाटसन प्राथमिक विद्यालय में इस पर चर्चा की गई और मार्गदर्शन किया के साथ प्रैक्टिकल डेमोंसट्रेशन दिया गया। विद्यालय परिवार द्वारा कामिनाबेन पटेल को पुस्तक एवं साल भेंट कर सम्मानित किया गया।

समायरा रावत को मिला राष्ट्रीय रतन पुरस्कार

दैनिक पुष्पांजली टुडे
ग्वालियर।8 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित 17 नेशनल अवार्ड सेरेमनी में समायरा रावत को राष्ट्रीय रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह आयोजन वूमेंस एंपावरमेंट एंड अचीवर्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया था । उसमें ग्वालियर की समायरा रावत को राष्ट्रीय रतन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। समायराद्धरावत बहुमुखी प्रतिभा की धनी है । उन्होंने पूर्व में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं। शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के अलावा, बॉलीवुड विज्ञापनों, प्रिंट और रियलिटी शो में अभिनय किया है। पूर्व में

समायरा नवभारत ज्ञानपीठ पुरस्कार, भारतीय कला रतन उत्कृष्टता पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय रूप कथा पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय कला गोल्डन अवार्ड एवम अन्य सम्मान अपने नाम कर चुकी हैं । उन्होंने दिल्ली बुक्स ऑफ रिकॉर्ड, स्टेट बुक ऑफ रिकॉर्ड और इंटरनेशनल बुक ऑफ

रिकॉर्ड में रिकॉर्ड बनाया है। इसके अलावा वह जिला स्तर की शतरंज चैंपियन (उपविजेता) भी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। समायरा रावत के पिता कर्नल पंकज रावत आर्मी में ऊंचे पद पर कार्यरत हैं।इस उपलब्धि पर घर के सभी सदस्य गौरान्वित हैं तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं।

क्षमा का पर्व है, लोक अदालत- प्रधान जिला न्यायाधीश नेशनल लोक अदालत का किया शुभारंभ

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतना के सभागार में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अजय श्रीवास्तव द्वारा मां सरस्वती एवं महात्मा गांधी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर विशेष न्यायाधीश एससी राय, न्यायाधीश नोरिन निगम, अनीता खजूरिया, नंदराम परमार, सिद्धार्थ तिवारी, इंदुकांत तिवारी, यतीन्द्र गुरु सहित न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं अधिवक्तागण उपस्थित थे। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश श्री श्रीवास्तव ने कहा कि लोक अदालत वस्तुतः क्षमा का पर्व है, जहां दोनों पक्ष एक दूसरे की गलतियों को क्षमा भाव से नजर अंदाज कर समझौते के साथ अपने प्रकरण का निराकरण करते है। उन्होंने कहा कि आपसी समझौते और दोनों पक्षों की रजामंदी से प्रकरणों के निराकरण से आपसी वैमनस्यता दूर होती है और भाईचारा तथा समाज मे समरसता का माहौल भी बनता है। लोक अदालत मे निराकृत प्रकरणों की कही अपील भी नही होती और पक्षकारों का समय तथा धन भी जाया नही होता। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री श्रीवास्तव ने कहा कि लोक अदालत विवादों को समझौते के माध्यम से सुलझाने के लिए एक वैकल्पिक मंच है, इसमें अनेक मामलों के समझौते हो सकते हैं। लोक अदालत, अदालत के बाहर विवादों के सुलहपूर्ण निपटारे के लिए होती है, जो सभी के लिए फायदेमंद है। इससे हमें आर्थिक बचत भी होती है। उन्होने अधिकारियों-कर्मचारियों को लोक अदालत की शुभकामनाएं दी और कहा कि इस वर्ष की अंतिम लोक अदालत मे ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों का निराकरण कर लोक अदालत को सफल बनाये।

सांसद चौधरी ने सोजत में ईएसआईएस या ईएसआईसी अस्पताल खोलने हेतु केन्द्र सरकार की मांग

लोकसभा के शून्य काल में मेंहदी उद्योग से जुड़े हजारों श्रमिकों को बेहतर एवं सस्ते इलाज की सुलभता का उठाया मुद्दा

दैनिक पुष्पाजंली टुडे
नई दिल्ली/पाली/जोधपुर। शनिवार को लोकसभा की कार्यवाही में पाली सांसद और पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री पीपी चौधरी ने केन्द्र सरकार के समक्ष सोजत में ईएसआईएस या ईएसआईसी अस्पताल खोलने की मांग रखी। शून्यकाल में आसन के समक्ष रखी गई मांग में सांसद चौधरी ने बताया कि पाली संसदीय क्षेत्र का सोजत विश्वभर में मेंहदी नगरी के नाम से विश्वविख्यात है। मेंहदी मूलतः विशेष रंगद्रव्य इस क्षेत्र की मिट्टी एवं विशेष जलवायु से ही मिलता है। सोजत के मेंहदी उद्योग में 160 से अधिक फैक्ट्रियों में हजारों की संख्या में मजदुर काम करते है और यही इनकी जीवन रेखा है। यहाँ के लोगों ने सोजत को ÷मेंहदी नगरी÷ बनाने हेतु बहुत मेहनत की है, जिसका बाजार 1000 करोड़ रुपये से भी अधिक है। सांसद चौधरी ने सदन को बताया कि उनके प्रयासों पर सोजत की मेंहदी को जीआई टैग की सौगात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दी। इसके लिए समस्त क्षेत्रवासियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। इसकी बदौलत यहाँ के उद्योग को एक और नई उड़ान मिलेगी। श्रमिकों को मिले बेहतर एवं सस्ता इलाज÷ सांसद चौधरी ने सदन के माध्यम से श्रम मंत्रालय एवं रोजगार मंत्रालय के समक्ष सोजत में ईएसआईएस या ईएसआईसी अस्पताल की सौगात देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि इस उद्योग के श्रमिकों द्वारा लम्बे समय से की जा रही मांग की जा रही है। यहाँ के हजारों श्रमिकों के इलाज एवं सुरक्षा हेतु सोजत में कोई भी एम्प्लोयी स्टेट इन्सुरेन्स

कारपोरेशन या एम्प्लोयी स्टेट इंश्योरंस स्कीम के तहत अस्पताल नहीं है। पाली शहर में एम्प्लोयी स्टेट इंश्योरंस स्कीम अस्पताल है, जो कि सोजत से 50 किलोमीटर से अधिक दुरी पर है। बीमित मजदूरों को पाली शहर में स्थित इन अस्तपालों में इलाज के लिए जाना पड़ता है। सांसद चौधरी ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के मानदंडों के अनुसार 100 बेड का अस्पताल खोलने हेतु उस क्षेत्र में कम से कम 50,000 बीमित लोगों की आबादी होनी चाहिए और साथ ही श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और ईएसआईसी ने यह भी सुझाव दिया है कि वर्तमान बीमित व्यक्ति आबादी पर विचार करने के बजाय, आगामी 5 वर्षों में बीमित व्यक्ति आबादी की भविष्य की संख्या को ध्यान में रखा जाना चाहिए। सांसद चौधरी ने सदन को बताया कि सोजत मेंहदी उद्योग एक बड़ता हुआ उद्योग है और पिछले वर्षों में यह तेजी से बड़ा है। मेंहदी को भौगोलिक संकेत यानि जीआई टैग प्राप्त होने के बाद, इस उद्योग में कार्यरत लोगों की संख्या भी बहुत बड़ी है और यह बड़ती रहेगी। उन्होंने आसन के माध्यम से श्रम एवं रोजगार मंत्री को निवेदन किया कि सोजत में एक ईएसआईएस या ईएसआईसी अस्पताल स्थापित करने की कृपा करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाली और राजस्थान को गौरवान्वित करने वाले मेहनती मेंहदी मजदूरों को सभी चिकित्सा लाभ और देखभाल मिले, जिसके वे हकदार है।

विश्व शांति हेतु विशेष शांति दिवस मनाया गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता मालनपुर

मालनपुर अश्राम ब्रह्माकुमारी से जुड़े हुए सभी भाई बहनों ने मिलकर राजयोग का गहन अभ्यास किया द्य 4 घंटे के इस अभ्यास में विश्व की सभी आत्माओं तक शांति की किरणें पहुंचाई द्य राजयोग का अभ्यास करवाने के लिए बामोर सेवा केंद्र से ब्रह्मा कुमार सहदेव भाई पहुंचे, जिन्होंने भिन्न-भिन्न प्रकार की विधि द्वारा शांति की यात्रा कराई एवं आत्मा अनुभूति का अभ्यास कराया द्य योग अभ्यास करवाने में ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन, शशि बहन, अंजलि बहन ने भी सहयोग दिया द्य कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प किया हम प्रतिदिन का अभ्यास करके विश्व की सभी आत्माओं को शांति का दान देंगेद्य अपने जीवन को खुशहाल बनाएंगेद्य कभी भी ना दुखी होंगे ना किसी को दुख देंगे द्य इस प्रकार से सकारात्मक चिंतन करके शांति दिवस मनाया गया

रैगांव विधानसभा की नवनिर्वाचित विधायक प्रतिमा बागरी का कोठी प्रथम आगमन पर किया गया भव्य स्वागत

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना जिले के रैगांव विधानसभा की नवनिर्वाचित विधायक प्रतिमा बागरी को विजय के बाद प्रथम आगमन पर मंडल अध्यक्ष यशवंत पांडेय ने किया जोरदार स्वागत साथ में कोठी पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा जी का भी हुआ जोरदार स्वागत नवनिर्वाचित विधायक प्रतिमा बागड़ी कोठी पहुंचकर बजरंगबली में नारियल फोड़कर लिया आशीर्वाद तत्पश्चात अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया नवनिर्वाचित विधायक प्रतिमा बागड़ी को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पगड़ी एवं तलवार भेंट किया नवनिर्वाचित विधायक प्रतिमा बागड़ी के

कोठी आगमन को लेकर भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे कोठी व्यापारी संघ ने नवनिर्वाचित विधायक प्रतिभा बागड़ी को लड्डुओं से तौला गया गया नवनिर्वाचित विधायक प्रतिमा बागरी ने कहा कि कोठी क्षेत्र की जनता का अपार

स्नेह मुझे मिला मैं भी रैगाव विधानसभा को विकसित विधानसभा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा विधायक प्रतिमा बागड़ी ने कोठी नगर परिषद के सभी वार्डों में जाकर के आम पब्लिक से मिली और आभार प्रकट किया

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिए ठंड के मद्देनजर व्यापक इंतजाम के निर्देश

पुस्पंजली टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना /मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने समस्त नगरीय निकायों को ठंड के मद्देनजर व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि समस्त आश्रय स्थलों एवं सार्वजनिक स्थलों में ठंड से बचाव के लिये अलाव की व्यवस्था की जाए। आश्रय स्थल में नहाने के लिए गर्म पानी, ओ?ने के लिए रजाई एवं कबंल उपलब्ध कराये जायें। मोबाइल वैन के माध्यम से रात्रि के समय फेरे लगाकर बेघरों को आश्रय स्थल तक सुविधाजनक तरीके से पहुँचाना सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने विगत दिनों राजधानी के शाहजानी पार्क स्थित रैन बसेरा का निरीक्षण किया था। श्री चौहान ने निर्देशित किया है कि ऐसे नगरीय निकाय जहां स्थाई आश्रय स्थल नही हैं, वहाँ अस्थाई तौर पर किराए के भवन में अथवा खाली प? निकाय के अधिकृत किसी भवन में आश्रय स्थल प्रारंभ कर समस्त शहरी बेघरों को आश्रय एवं अन्य राहत प्रदान किया जाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आश्रय स्थल में रुकने वाले हितग्राहियों के मेडिकल चेक-अप की समुचित व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर सुनिश्चित करें, आश्रय स्थलों को समय पर किटाणुरहित किया जाना सुनिश्चित किया जाए और महामारी के प्रभावों से निपटने के लिए सुरक्षा के उपायों के संबंध मे हितग्राहियों को जागरूक किया जाना चाहिए। हेल्पलाइन नम्बर एवं आश्रय स्थल में पदस्थ मैनेजर और केयर टेकर के नम्बर सार्वजनिक स्थल पर प्रदर्शित किये जाने के निर्देश भी मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए हैं, जिससे शहरी बेघरों को आश्रय स्थल तक पहुंचाने के लिए जनसाधारण की सहभागिता भी हो सके। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा समस्त नगरीय निकायों को व्यापक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

आयोजित नेशनल लोक अदालत

09.12.23 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में तहसील न्यायालय खरगोन अंतर्गत कुल 07 खण्डपीठों द्वारा न्यायालयीन लंबित मामलों में से आपराधिक शमनीय 55 प्रकरण, पराक्राम्य लिखित अधिनियम की धारा 138 के 55 प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा क्षतिपूर्ति 30 प्रकरण, वैवाहिक 31 प्रकरण, श्रम विवाद 17 प्रकरण, विद्युत बिल 30 प्रकरण, अन्य दिवानी 34 प्रकरण व अन्य 9 प्रकरण तथा प्रीलिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) मामलों में बैंक रिकवरी 25 प्रकरण, विद्युत बिल 35 प्रकरण, जल कर व सम्पत्ति कर 616 प्रकरण व अन्य 6 प्रकरणों का निराकरण किया गया । नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित 261 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर राशि रू. 41151665/- का अवार्ड पारित किया गया एवं प्रीलिटिगेशन के 682 प्रकरण व राशि 7680342./- इस प्रकार कुल 943 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर राशि रू. 48832007/- का अवार्ड पारित किया गया ।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनाः 31 दिसंबर तक किसान करा सकते हैं

पुस्पंजली टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत कृषकों को फसल बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। योजनांतर्गत रबी वर्ष 2023-24 के लिये बीमा की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2023 है। जिले के अऋणी कृषक खसरा, बी-1, बैंक पासबुक की छायाप्रति, सहकारी बैंक, पैक्स, कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से फसल बीमा करा सकते हैं। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास ने बताया कि जिला स्तर पर मसूर को अधिसूचित किया गया है। जबकि पटवारी हल्का स्तर पर गेहूं (सिंचित और असिंचित), चना और सरसों को अधिसूचित किया गया है। अधिसूचित फसलों के लिये उनके प्रीमियम एवं बीमित राशि प्रति हेक्टेयर अनुसार दर निर्धारित की गई हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा ,कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिन्हित जिलों के हितग्राहियों से संवाद किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी में प्रसारित किया गया। कार्यक्रम को कृषकों, कृषि छात्रों के साथ-साथ जन सामान्य ने देखा और सुना।कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.पुनीत कुमार के निर्देशन में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.एम.के.भार्गव, वैज्ञानिक डॉ.पुष्पेंद्र सिंह, डॉ.ए.एल.बसेड़िया, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी योगेश चंद्र रिखाड़ी डॉ.नीरज कुशवाहा, अनुसंधान अधेयता विजय प्रताप सिंह, कार्यालय अधीक्षक सत्येंद्र गुप्ता के साथ-साथ अन्य स्टाफ की भी सहभागिता रही।

पौधारोपण संकल्प जिसने मिटाई मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और जनता के बीच की दूरी

पौधारोपण कार्यक्रम से प्रदेश में पौधारोपण का विचार और मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत नेटवर्क हुआ स्थापित,पहल से ग्वालियर-चंबल अंचल के चुनाव में हुआ फायदा

दैनिक पुष्पांजली टुडे
ग्वालियर। 19 फरवरी 2021 के दिन नर्मदा जयंती के मौके पर अमरकंटक से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रत्येक दिन की शुरुआत एक पौधा रोपण करने का संकल्प लिया जो आज तक अनवरत जारी है। अब तो वह एक से भी अधिक पौधे प्रतिदिन रोपते है। कोरोना काल भी मुख्यमंत्री के संकल्प को नहीं रोक सका। पौधारोपण कार्यक्रम के संकल्प से पौधारोपण का विचार तो समाज में स्थापित हुआ ही साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का व्यक्तिगत नेटवर्क प्रदेशभर में स्थापित हुआ। पौधारोपण एक ऐसा संकल्प बनकर उभरा जिसे मुख्यमंत्री और जनता के बीच की दूरी खत्म कर दी। जिससे मुख्यमंत्री के हर विधानसभा में परिजन बन गए। जिन्होंने प्रशंसक, समर्थक के तौर पर शिवराज की ब्रांडिंग की।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्वालियर चंबल संभाग से कई सामाजिक संस्थाएं जैसे जन सरोकार संघ, फिर एक प्रयास, स्वर्ग

सदन, थिंक फाउंडेशन आदि विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों के साथ पौधारोपण किया और जिले की लगभग सभी सामाजिक संस्थाओं को मुख्यमंत्री की टीम द्वारा भोपाल स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में पौधारोपण करने आमंत्रित किया। जिसमें से अधिकतर मुख्यमंत्री के साथ भोपाल स्थित स्मार्ट पार्क में पौधारोपण करने पहुंची। ऐसा करने वाले शिवराज सिंह चौहान देश के पहले मुख्यमंत्री बने जिन्होंने मुख्यमंत्री आवास तक जनता की पहुंच बनाई। निश्चित तौर पर यह पहल मुख्यमंत्री को जननेता बनाती है। उनसे मिलने पहुंचे लोगों का अनुभव ऐसा रहा कि वह परिवार के सदस्य हो कोई मुख्यमंत्री नहीं। मुख्यमंत्री अभी तक देश के 12 से अधिक राज्यों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल सहित देश प्रदेश के सम्मानित व्यक्तियों, नेता, अभिनेता से लेकर प्रदेश की जनता के साथ पौधारोपण कर चुके हैं।मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जब भोपाल में होते हैं तो स्मार्ट सिटी पार्क में पौधा रोपण करते हैं। एक समय में बंजर पड़ी भूमि आज कई पेड़ों से सजी हुई दिखाई देती है। शिवराज सिंह चौहान के साथ प्रतिदिन कई सामाजिक संगठन और व्यक्ति, स्व-प्रेरणा से पौधरोपण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री लगातार लोगों से अपील करते हैं कि लोगों को अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों जन्मदिवस, विवाह वर्षगांठ तथा अपने परिजनों की स्मृतियों को यादगार बनाए रखने के लिए पौधा लगाएं। इस अपील के कारण भोपाल सहित पूरे प्रदेश में पौध रोपण की गतिविधि को विस्तार मिला है। मुख्यमंत्री पारिजात, सप्तपर्णी, अशोक, कदम्ब, हरसिंगार, बेल पत्र, मौलश्री, शीशम, मुनगा, करंज, गुलमोहर, कचनार, हर्र, मधुकामिनी, अर्जुन, नीम, आंवला, विलायती इमली, हल्दू, नीला गुलमोहर, बॉटल, ब्रश, कपूर आदि के पौधे लगाए हैं।

लोकल से ग्लोबल हुआ प्रदेश-जलवायु परिवर्तन तथा ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव के इस दौर में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री की पहल ने वैश्विक जगत में अलग छाप छोड़ी है। प्रतिदिन पौध रोपण से देश-विदेश में मध्यप्रदेश का नाम पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध एक ब्राण्ड के रूप में स्थापित हुआ है। सर्दी, गर्मी, बरसात या बीमारी हो लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कभी भी पौधा लगाना नहीं छोड़ते।

योजनाओं का लाभ प्राप्त कर मिलती है जीने की नई ताकत :पीएम मोदी

भोपाल।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत कुछ राज्यों के लाभार्थियों से संवाद किया। संवाद में उत्तराखंड, कश्मीर, बिहार और गुजरात के लाभार्थी शामिल थे। कार्यक्रम से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी भोपाल से वर्चुअली जुड़े।प्रधानमंत्री मोदी ने लाभार्थियों से संवाद के बाद अपने संबोधन में कहा कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हिन्दुस्तान के कोने-कोने में बसे नागरिकों तक पहुंचा है। योजनाओं का लाभ मिलने से जीने की नई ताकत आ जाती है। विकसित भारत संकल्प यात्रा में महिलाओं की भागीदारी पर ध्यान दिया गया है। गत 15 नवम्बर से प्रारंभ इस यात्रा का तीन-चार सप्ताह में देश भर में अच्छा स्वागत हुआ है। इस यात्रा का उद्देश्य ऐसे लोगों तक पहुंचना है, जो सरकार की योजनाओं से अब तक नहीं जु? सके। अब तक देश की चालीस हजार से अधिक ग्राम पंचायतों तक जो?ने में सफलता मिल चुकी है। मोदी की गारंटी की गा?ी तक लोग पहुंच रहे हैं। पंचायतों ने स्वागत समितियां भी बनाई हैं। उत्तर भारत के कारगिल से लेकर दक्षिण भारत के ग्रामों तक और अंडमान निकोबार तक यह गा?ी पहुंची है। राज्यों में यात्रा के तहत हेल्थ चेकअप कैंप लगे हैं। इसी तरह फिट इंडिया का संदेश पहुंचाया जा रहा है। करीब दो करोड बहनों को लखपति दीदी बनाने के लिए अभियान संचालित हो रहा है। बहनों को ड्रोन पायलट बनाने के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि निर्धन वर्ग के लोग और किसान आदि हमारे लिए वीआईपी से कम नहीं हैं। योजनाओं के लाभ से नागरिकों को लाभान्वित कर शत प्रतिशत सेचुरेशन के लक्ष्य को प्राप्त करना है।प्रारंभ में केंद्रीय सूचना प्रसारण सचिव ने स्वागत उदबोधन दिया। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी, जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर को विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रारंभ होने एवं इसके बाद 30 नवम्बर को यात्रा से जुड़े थे। आज वे तीसरी बार संवाद कर रहे हैं।

हाईकोर्ट की लोक अदालत ने पीड़ित पक्षकारों को दिलाया लगभग 2.88 करोड़ रूपये का अतिरिक्त क्षतिधन

ग्वालियर । उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर में शनिवार 9 दिसम्बर को आयोजित हुई नेशनल लोक अदालत में 4 खंडपीठों द्वारा आपसी सुलह समझौते के आधार पर 337 प्रकरणों का निराकरण किया गया। साथ ही मोटर दुर्घटना क्लेम अपील प्रकरणों में पीडित पक्षकारों को 2 करो? 87 लाख 62 हजार रूपये का अतिरिक्त क्षतिधन भी दिलाया गया। मुख्य न्यायाधिपति एवं मुख्य संरक्षक, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन तथा उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति रोहित आर्या के मार्गदर्शन में उच्च न्यायालय खण्डपीठ-ग्वालियर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए न्यायाधिपति श्री रोहित आर्या एवं सीनियर एडवोकेट अरविंद दूदावत, न्यायाधिपति श्री मिलिंद रमेश फड़के एवं सीनियर एडवोकेट एम.पी.एस. रघुवंशी, न्यायाधिपति श्री अवनींद्र कुमार सिंह एवं एडवोकेट अनिल कुमार मिश्रा एवं न्यायाधिपति आनंद पाठक एवं एडवोकेट अनिल कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ गठित की गई थीं। निराकृत प्रकरणों में से एक प्रकरण से संबंधित विवरण इस प्रकार है कि वर्ष 2012 के मार्च माह में 28 तारीख की सुबह 9 बजे मोटर सायकल से मोनू गुप्ता अपने दोस्त हेमंत पाण्डे के साथ भितरवार से ग्वालियर के लिये आ रहे थे। मार्ग में डबरा-ग्वालियर रोड पर सोनी वाटिका के सामने ग्वालियर की तरफ से दूध टेंकर के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक मोटर सायकल को टक्कर मार दी, जिसमें मोनू गुप्ता को गंभीर चोंटे आने से वह घायल हो गए और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इस प्रकरण में विचारण न्यायालय द्वारा दी गई क्षतिपूर्ति धन राशि में माननीय उच्च न्यायालय राशि रूपये 10 लाख की वृद्धि की गई। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ-ग्वालियर के प्रिंसिपल रजिस्ट्रार एवं सचिव अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि लोक अदालत का मूल उद्देश्य आपसी वैमनस्यता एवं विवादों का आपसी सहमति व राजीनामा के आधार पर प्रकरणों का निराकरण करना है। जिस कारण उभयपक्ष के मध्य विद्यमान विवाद बिना किसी की हार-जीत के साथ समाप्त हो। इसी मूल भावना को आधार बनाकर इस नेशनल लोक अदालत के पूर्व न्यायमूर्ति श्री रोहित आर्या, प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ-ग्वालियर के मार्गदर्शन में उच्च न्यायालय में विचाराधीन राजीनामा योग्य प्रकरणों मुख्यतः बीमा कंपनी के प्रकरणों को चिन्हित कर सूची तैयार की गई। इसके बाद बीमा कंपनी के अधिकारी/अधिवक्तागण तथा पक्षकार व उनके अधिवक्तागण के साथ विभिन्न दिनांकों को प्री-सिटिंग आयोजित की जाकर राजीनामा के आधार पर प्रकरणों के निराकरण के लिए उभयपक्ष में सहमति बनाई गई। जिसके फलस्वरूप 158 क्लेम प्रकरणों सहित कुल 337 प्रकरणों का इस लोक अदालत में निराकरण किया गया है।

नेशनल लोक अदालत में 2126 मामलों का हुआ निराकरण

3468 लोगों को लाभांवित कर 8 करोड़ 22 लाख 66513 रुपए की राशि का अवार्ड पारित किया

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- राष्टीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार को जिला मुख्यालय एवं तहसील न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के एडीआर भवन में प्रधान जिला न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जोगिन्दर सिंह, विशेष न्यायाधीश वंदना जैन, प्रथम जिला न्यायाधीश विवेक शर्मा, सिसौदिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शिवपुरी जितेन्द्र मेहर तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा प्रधान,

जिला न्यायाधीश/सचिव अर्चना सिंह, चतुर्थ जिला न्यायाधीश आर.बी. गुप्ता, पंचम जिला न्यायाधीश विवेक पटेल, सप्तम जिला न्यायाधीश अमित कुमार गुप्ता, सीजेएम शिवपुरी सज्जन सिंह सुनीता पचौरिया, अमित प्रताप सिंह, रूपम तोमर एवं ट्रेनी जज वंशिता गुप्ता, इतीशा संघवी, दिव्यानी सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र कुमार च?ार, विद्युत विभाग के महाप्रबंधक संदीप कालरा, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ शैलेन्द्र समाधिया, शासकीय अधिवक्ता धीरज जामदार, बीमा कंपनी अधिवक्ता दिलीप गोयल, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल आलोक श्रीवास्तव, अधिवक्ता वीरेन्द्र शर्मा, मनीष मित्तल पीएलव्ही ललित शर्मा, कृष्णकांत नामदेव, उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में जिले में कुल 25 खण्डपीठों के माध्यम से 2126 मामलो का निराकरण हुआ एवं लगभग 3468 पक्षकार लाभान्वित हुए। निराकृत मामलों में विचाराधीन मामले 855 एवं प्रिलिटिगेशन स्तर के मामले 1271 शामिल थे।

पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह का जीत के बाद नगर आगमन पर हुआ जोर दार स्वागत

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी जिले की पाच विधान सभा मैं से कांग्रेस एक ही विधान सभा जीत पाई हैं लेकिन जो जीत कांग्रेस के पोहरी विधानसभा मैं ली हैं वह बहुत ही ऐतहासिक जीतो मैं गिनी जाने बाली हैं जिसका कारण भाजपा प्रत्याशी ओर राज्य मंत्री सुरेश धाकड़ को कांग्रेस प्रत्याशी कैलाश कुशवाह ने लगभग पचास हजार वोट से हरा कर करारी शिकस्त दी हैं जीत के बाद पहली पोहरी विधानसभा पहुचे विधायक कैलाश कुशवाह का विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बहुत बेसब्री से इंतजार था और जैसे ही होने का परिवहन सेवा क्षेत्र में आगमन हुआ तो क्षेत्र के लोगों ने उनका बड़ा ही जोरदार स्वागत किया पोहरी विधानसभा के ग्राम अहीर मरोरा से लेकर पिपरघार से पोहरी नगर में और वहां से बैराड़ के ओर जाते हुए हर गांव मैं विधानसभा क्षेत्र के लोगो ने अपने नव निर्वाचित विधायक का जोर शोर से स्वागत किया और जगह जगह पर सेव,केला,अमरूद,लड्डू,ओर अनन्य मिठाईयों से तौल कर मिठाई ग्रामीणों मैं बाटी इसके बाद बैराड़ नगर मैं पहुचते ही नव निर्वाचित विधायक ने बैराड़ में रोड शो कर बैराड़ की जनता का भी आशीर्वाद लिया और बैराड़ नगर साथ साथ पूरी विधानसभा की जनता ने अपने विधायक को भरपूर आशीर्वाद प्रदान किया ।

चाचौड़ा शनिवार 9 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

प्रधान जिला न्यायाधीश वीरेंद्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में इस वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन सिवि एससील न्यायालय चाँचौ?ा में भी किया गया ।लोक अदालत का शुभारंभ मां सरस्वती और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया,जिला सत्र न्यायाधीश श्री हेमंत कुमार अग्रवाल ,न्यायाधीश गण श्री भरत सिंह कनेल,श्रीमति आकांक्षा कत्याल,सुश्री अंजना यादव,सुश्री चेतना दाशोरा सहित संघ के सदस्य श्री अजय कुमार जैन, श्री जयराज सिंह खींची,प्रदीप कुमार शर्मा अभिभाषक संघ चाँचौ?ा सचिव रंजीत सिंह गौर,सहसचिव दिनेश बैरागी सहित न्यायालय के कर्मचारी गंगाराम चौहान, ललित व्यास,नीलेश,राजकुमार,ललित वैरागी,विनय रघुवंशी,राम प्रजापति,सिद्धांत जैन,भल्लू भील,स्वदेश,अनूप,आर. बी ओझा ,नगर परिषद ,बिजली ,बैंक आदि के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय परिसर में विद्युत विभाग, नगरपालिका, राष्ट्रीयकृत बैंक, बीएसएनएल आदि विभागों के स्टाल लगाए गए थे। इस नेशनल लोक अदालत

में आपसी सहमति से पति-पत्नी के जीवन को टूटने से बीबी बचाया गया।विगत 3 वर्षो से अलग रह रहे रीनाबाई एवं पति चंपालाल लोधा में न्यायधीश भारत सिंह कनेल द्वारा पति-पत्नी की काउंसलिंग करवाई गई । जिनका शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में इस दंपती के बीच राजीनामा हो गया और दोनों ने साथ जीवन व्यतीत करने का निर्णय लिया तथा एक साथ खुशी-खुशी घर चले गए । सर्वप्रथम दोनों ने आज एक-दूसरे को माला पहनाई एवं न्यायिक अधिकारी भारत सिंह कनेल ने इस दंपती को पुष्प गुच्छ भेंट कर घर भेजा। दोनों ही पक्षों के अधिवक्ताओं श्री विनोद कुमार सेन ,श्री मोहित श्रीमाल ने अदालत में इनके बीच आपस में समझौता करवाया। संघ सचिव रंजीत सिंह गौर ,न्यायालयीन स्टाफ चंद्रभान यादव,लेखराम बाथम ,स्टेनो विनय रघुवंशी, रीडर संजय मांझी ,राम प्रजापति मौजूद रहे। वही सेशन न्यायाधीश हेमंत कुमार अग्रवाल के न्यायालय में 20 केसों का निपटारा किया जिनमे से 7 क्लेम केस रहे।

नेशनल लोक अदालत में आपसी समझौते से निराकृत हुए 10 हजार 600 से अधिक प्रकरण

ग्वालियर। जिले में जिला मुख्यालय पर जिला न्यायालय, कुटुबं न्यायालय,श्रम न्यायालय, रेलवे न्यायालय व जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हुआ। साथ ही सिविल न्यायालय डबरा व भितरवार में भी लोक अदलात आयोजित की गई। जिले में नेशनल लोक अदालत के लिए गठित 54 खंडपीठों ने 10 हजार 601 मामलों में राजीनामा कराकर आपसी समझौते के आधार पर निराकरण कराया गया। साथ ही 24 करोड 03 लाख 13 हजार से ज्यादा राशि के अवार्ड पारित किए गए। नेशनल लोक अदालत से जिले में 13 हजार 70 व्यक्तियों को लाभांवित कराया गया। कार्यपालिक अध्यक्ष राष्टीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार वर्ष 2023 की चतुर्थ एवं अंतिम नेशनल लोक अदालत शनिवार 9 दिसम्बर को आयोजित हुई। नेशनल लोक अदालत का औपचारिक शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर पीसी गुप्ता द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश एवं नेशनल लोक अदालत समन्वयक प्रमोद कुमार सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गालिब रसूल, नेशनल लोक अदालत समन्वयक जिला न्यायाधीश संजय कुमार गोयल,समस्त जिला न्यायाधीश, सचिव उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ महेश गोयल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चौधर सिंह शैय्याम सहित समस्त व्यवहार न्यायाधीश व प्रशिक्षु व्यवहार न्यायाधीश, जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा, अधिवक्ता गण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल,पैरा लीगल वालेंटियर, जिला न्यायालय व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों का निराकरण कराने वाले पक्षकारों को वन विभाग के सौजन्य से 400 फलदार एवं छायादार पौधे भी वितरित कराये गए

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478